संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-103 ■ रायपुर, गुरुवार 10 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

तिथि : चतुर्दशी
नक्षत्र : मघा
प्रथम करण : सकुना
द्वितीय करण : चतुष्पदा
21:44 तक
पक्ष : कृष्ण
वार : गुरुवार
योग : सिद्ध
सूर्योदय : 06:03
सूर्यास्त : 18:26
चंद्रमा : सिंह राशि में
राहुकाल : 13:47 - 15:19
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत:1948
मास : भाद्रपद
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:49 - 12:39

डैम में डूबने से किशोर की मौत

खैरागढ़। दोस्तों के साथ घूमने पहुंचे 16 वर्षीय किशोर की छिन्दारी नथेला डैम में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हाउसिंग बोर्ड, भिलाई निवासी आयुष पिता अमन के रूप में हुई है। पूरा मामला छुईखदान थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक आयुष अपने चार दोस्तों के साथ डैम घूमने पहुंचा था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते डूब गया। घटना के बाद उसके दोस्तों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही छुईखदान पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने किशोर की तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद आयुष के शव को पानी से बाहर निकाला गया। किशोर के डूबने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में डैम क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बिस्तर में छिपे सांप ने बच्चे को डंसा, इलाज के दौरान मौत

बिलासपुर। जहरीले सांप के डसने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों ने बच्चे को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया। पूरा मामला तोरवा थाना क्षेत्र के नयापारा का है। जानकारी के अनुसार गौरव चंद्राकर (10) रात में सोने के लिए अपने बिस्तर पर गया था। इसी दौरान बिस्तर में मौजूद जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सांप के डसने के बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे।

साय कैबिनेट की बैठक में हुए अहम फैसले

निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को मिली मंजूरी, NSTI के लिए नवा रायपुर में 10 एकड़ जमीन आवंटित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में लिए गए निर्णयों के संबंध में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जानकारी दी।

मंत्रिपरिषद ने राज्य को देश के प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30' को मंजूरी दी है। नई नीति के माध्यम से प्रदेश में मजबूत निर्यात इकोसिस्टम और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने, निर्यातकों को बेहतर बाजार पहुंच एवं व्यापार सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही कृषि एवं औद्योगिक क्षेत्रों में मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस नीति के तहत ई-कॉमर्स, व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रदेश के उद्यमियों और निर्यातकों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच बढ़ाई जाएगी। इस नीति का लक्ष्य छत्तीसगढ़ के निर्यात में गुणात्मक एवं मात्रात्मक वृद्धि के साथ प्रदेश को 'राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजारों से और मजबूती से जोड़ना है। मंत्रिपरिषद ने नवा रायपुर अटल नगर में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (NSTI) की स्थापना के लिए एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता निदेशालय को ग्राम तेंदुवा में 10 एकड़ भूमि निःशुल्क आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होने वाले इस संस्थान में आधुनिक शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं छात्रावास सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यहां दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रतिवर्ष 1,000 तथा अल्पकालीन कार्यक्रमों में 3,000 प्रशिक्षुओं को आज के उद्योगों की जरूरत के अनुरूप आधुनिक तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। NSTI की स्थापना से प्रदेश के युवाओं के लिए उन्नत कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा नवा रायपुर को देश में कौशल एवं तकनीकी शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

संविदाकर्मियों-नगर सैनिकों को बड़ी राहत

मंत्रिपरिषद ने राज्य शासन के अधीन कार्यरत स्थायी/अस्थायी शासकीय सेवकों, निगम-मंडल एवं स्वशासी संस्थाओं के कर्मचारियों, संविदाकर्मियों तथा नगर सैनिकों को अन्य शासकीय सेवाओं एवं उच्च पदों के लिए आवेदन करने में बड़ी राहत देते हुए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा 38 वर्ष से बढ़ाकर 45 वर्ष करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

इस निर्णय से शासकीय एवं संबद्ध संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उच्च पदों एवं अन्य सेवाओं में आगे बढ़ने के अधिक और समान अवसर प्राप्त होंगे। इस संबंध में राज्य शासन द्वारा एकीकृत स्थायी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

मंत्रिपरिषद ने दुर्ग जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण के लिए ग्राम तितुरडीह में बीआईटी कॉलेज के समीप 4 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के नाम दर्ज उक्त भूमि के बदले ग्राम पाहंदा, तहसील पाटन में 5.024 हेक्टेयर शासकीय भूमि भिलाई इस्पात संयंत्र को दी जाएगी। दोनों भूखंडों का वर्तमान मूल्य लगभग समान है। इस निर्णय से दुर्ग में जिला न्यायालय के लिए आधुनिक एवं सुव्यवस्थित नवीन न्यायालय परिसर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा और न्यायिक अधोसंरचना को और सुदृढ़ किया जा सकेगा।

कोलकाता में बड़ी कार्रवाई : फायर सेफ्टी की अनदेखी पर 919 होटल-गेस्ट हाउस सील

कोलकाता ■ एजेंसी

कोलकाता में 919 होटलों और गेस्ट हाउसों को आग से सुरक्षा के ज़रूरी नियमों का पालन न करने के कारण अस्थायी रूप से बंद करने का नोटिस दिया गया है। यह कार्रवाई शहर में एक गेस्ट हाउस में लगी जानलेवा आग के बाद सुरक्षा से जुड़ी गंभीर कमियों के सामने आने पर शुरू किए गए बड़े पैमाने पर निरीक्षण अभियान के तहत की गई है। पश्चिम बंगाल फायर सर्विस, कोलकाता नगर निगम और कोलकाता पुलिस के अधिकारियों की संयुक्त निरीक्षण टीमों ने अब तक कोलकाता में लगभग 960 होटलों और गेस्ट हाउसों की जांच की है।

अधिकारियों ने बताया कि इनमें से केवल 41 जगहों पर ही आग से सुरक्षा के ज़रूरी उपायों का पालन होता पाया गया, जबकि बाकी 919 जगहों को नोटिस जारी कर निर्देश दिया गया कि वे तब तक अपना कामकाज अस्थायी रूप से बंद रखें जब तक कि वे तय सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं कर लेते। इन निरीक्षणों में शहर में अभी चल रहे लगभग 3,700 होटलों और गेस्ट हाउसों में से लगभग एक-चौथाई को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि जिन जगहों की अभी जांच होनी बाकी है, वहां यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

19 अगस्त को मध्य कोलकाता की मिर्ज़ा ग़ालिब स्ट्रीट पर स्थित गेस्ट हाउस 'शिखा इन' में लगी जानलेवा आग के बाद जांच अभियान तेज़ कर दिया गया। इस आग में सात बांग्लादेशी नागरिकों समेत नौ लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने होटलों और गेस्ट हाउसों की जांच-पड़ताल तेज़ कर दी और यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या वे आग से सुरक्षा और जीवन-सुरक्षा से जुड़े ज़रूरी नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

अधिकारियों ने कहा कि जिन जगहों को बंद करने का नोटिस मिला है, वे इंस्पेक्शन के दौरान पाई गई सुरक्षा कमियों को ठीक किए बिना अपना कामकाज फिर से शुरू नहीं कर सकतीं। उन्हें अपने फायर सेफ्टी इंतज़ामों को तय नियमों के मुताबिक करना होगा।

कृषि शिक्षा में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को मिला ए ग्रेड
कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने दी बधाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए छत्तीसगढ़ को गौरवांवित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा अधिमान्यता बोर्ड ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और उसके अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों एवं शिक्षण कार्यक्रमों को अधिमान्यता प्रदान करते हुए "ए ग्रेड" दिया है।कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं उनके सभी सहयोगियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

बता दें कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने हाल में ही विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों को अधिमान्यता प्रदान करने संबंधी आदेश जारी किया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न महाविद्यालयों एवं शिक्षण कार्यक्रमों (स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रमों) को वर्ष मार्च 2024 से मार्च 2029 तक के लिए "ए ग्रेड" के साथ अधिमान्यता प्रदान की गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से जारी सूची के अनुसार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को देश के उत्कृष्ट कृषि विश्वविद्यालयों में स्थान प्राप्त हुआ है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विगत चार वर्षों में शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के कारण यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विदित हो कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 2019 में जारी अधिमान्यता सूची में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को "बी ग्रेड" प्राप्त हुआ था। यहां यह भी बताना लाजमी होगा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को विगत वर्ष एनआईआरएफ रैंकिंग में भी 28वां स्थान प्राप्त हुआ था। यह एनआईआरएफ रैंकिंग सूची में स्थान प्राप्त करने वाला छत्तीसगढ़ का एकमात्र विश्वविद्यालय है।

ए ग्रेड मिलने से विश्वविद्यालय को होंगे ये लाभ

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को ए ग्रेड प्राप्त होने से अनेक लाभ होंगे। विश्वविद्यालय की साख में वृद्धि होगी। "ए ग्रेड" मिलने से यह सिद्ध होता है कि विश्वविद्यालय ने शिक्षण, अनुसंधान, अधोसंरचना निर्माण, प्रशासन, छात्र सहायता आदि क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण कार्य किया है। नवीन शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालयों को उनके परफार्मेंस अर्थात ग्रेड के आधार पर विभिन्न अधोसंरचनाओं (महाविद्यालय भवन, hostel, प्रयोगशाला, लाइब्रेरी, खेल मैदान आदि) के निर्माण एवं शिक्षण तथा शोध कार्यक्रमों के संचालन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

ग्रेड में वृद्धि से विश्वविद्यालय को भारत सरकार के विभिन्न विभागों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, राज्य सरकार तथा विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं से शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए अधिक वित्तीय सहयोग प्राप्त होगा। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की साख बढ़ेगी। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के अच्छे विद्यार्थी विश्वविद्यालय की ओर आकर्षित होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि मामले में देरी की शिकायत पर कहा- सभी के साथ होता है समान व्यवहार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की सुनवाई में देरी की शिकायत पर कहा कि 'सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है'। न्यायालय ने यह टिप्पणी तब की जब मानहानि मामले में शिकायतकर्ता की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि राहुल गांधी के खिलाफ दायर मामले को लंबे समय से शीर्ष अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया है। उच्चतम न्यायालय राहुल गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पिछले साल 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती दी थी। यह मामला 2022 की उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल चार अगस्त को लखनऊ की अदालत में लंबित इस मामले में आगे की कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी थी।

चार दिसंबर को उच्चतम न्यायालय ने गांधी की ओर से दायर अपील को स्वीकार करते हुए कहा था कि वह मामले पर विस्तार से सुनवाई करेगा।

इसके बाद मामले को 22 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

मोदी कैबिनेट ने कई बड़े फैसले लेकर सबको चौंका दिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

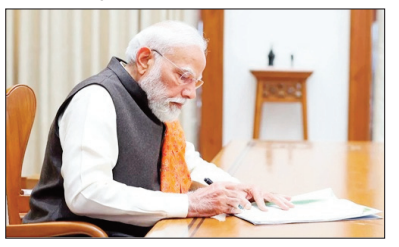

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम फैसले लिये गये। फैसलों की जानकारी केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कांफ्रेंस में दी। बैठक में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की पांच महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं पर करीब 10,021 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चार राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना, में लागू होने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेल नेटवर्क में करीब 540 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

मंजूर की गई परियोजनाओं में अरक्कोणम-रेनिगुंटा के बीच 77 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेल लाइन, व्हाइटफील्ड-बंगारपेट के बीच 47 किलोमीटर की तीसरी और चौथी लाइन, होसुर-ओमलूर के बीच 147 किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण और सेलम-करूर-दिंडीगुल के बीच 159 किलोमीटर लाइन का दोहरीकरण शामिल है। इसके अलावा सिकंदराबाद के घाटकेसर से काजीपेट के बीच 110 किलोमीटर के मल्टीट्रैकिंग कार्य को भी मंजूरी दी गई है।

मोदी सरकार के मुताबिक, इन परियोजनाओं का सबसे बड़ा उद्देश्य रेल मार्गों की क्षमता बढ़ाना, मौजूदा नेटवर्क पर दबाव और भीड़ कम करना तथा ट्रेनों के संचालन को अधिक सुचारु बनाना है। अतिरिक्त रेल लाइनों से परिचालन दक्षता बढ़ेगी और यात्रियों के साथ-साथ माल ढुलाई सेवाओं की विश्वसनीयता में भी सुधार होगा। अधिक क्षमता उपलब्ध होने से ट्रेनों की आवाजाही को बेहतर ढंग से व्यवस्थित किया जा सकेगा और महत्वपूर्ण रेल मार्गों पर जाम कम होंगे। इन परियोजनाओं को प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार किया गया है। इसमें मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को प्राथमिकता दी गई है। विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वित योजना के जरिए तैयार किए गए ये रेल प्रोजेक्ट लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही को मजबूत करेंगे।

पीएम मोदी के सेवा-समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा चलाएगी सेवा संकल्प अभियान

सांसद वीडी शर्मा ने बताई कार्यक्रम की रूपरेखा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भाजपा प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने पर सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा सांसद एवं भाजपा प्रकोष्ठ संकुल के राष्ट्रीय संयोजक वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन जन सेवा को समर्पित रहा है। मोदी ने राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य किया है। मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की ओर अग्रसर हो चुका है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की वैश्विक छवि को एक मानबिंदु के रूप में स्थापित किया है। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना कर रही है। दुनिया की निगाहें आज भारत पर टिकी हुई है। भाजपा सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न सेवा गतिविधियों, लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा युवाओं को सेवा और नवाचार से जोड़ने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'सेवा संकल्प अभियान' के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनके अंतर्गत आशीर्वाद का दीया, सेवा चित्र, नमो सेवा गाथा, सेवा स्मरण, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी जल जन और सेवा संकल्प यात्रा आदि कार्यक्रम होंगे। इसी तरह सेवा मेरा योगदान के तहत 25 सेवा गतिविधियां, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज, जनसेवक महाकुंभ (पंचायत से पार्लियामेंट) कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान पूरे देश में 17 सिंतबर से चलेगा : जम्वाल

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक वर्ष 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में 'सेवा पखवाड़ा' आयोजित करती है। मोदी का व्यक्तित्व निरंतर सेवा भाव से जुड़ा हुआ है, इसलिए पार्टी पिछले कई वर्षों से उनके जन्मदिवस के अवसर पर सेवा गतिविधियां आयोजित करती आ रही है।

इस वर्ष एक विशेष संयोग है कि 7 अक्टूबर 2001 को मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और आगामी 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक जीवन के इस महत्वपूर्ण पड़ाव को 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी के मद्देनजर भाजपा ने पूरे देश में एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' चलाने का निर्णय लिया है।

सेवा संकल्प अभियान में सबकी भूमिका अहम : पवन साय

प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि 'सेवा में मेरा योगदान' नाम से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से विशेषकर युवाओं और आम नागरिकों से अपील की जाएगी कि वे अभियान के दौरान किए गए सेवा कार्यों की रील्स बनाएं और उन्हें दूसरों के लिए प्रेरणा का माध्यम बनाएं।

चारों ओर से घिरा विजय सलगांवकर, कुंडली में बैठा 'शनि', ट्रेलर देखकर बोले लोग- 'ब्लॉकबस्टर लोडिंग'

मुंबई (एजेंसी)। इंतजार खत्म हुआ, 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। 'दृश्यम 3' इस ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी का आखिरी चैप्टर है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। अपकमिंग सस्पेंस-थ्रिलर के साथ अजय देवगन एक बार फिर विजय सलगांवकर के रोल में वापसी कर रहे हैं और इस बार विजय सलवांगकर और उसका परिवार एक नहीं बल्कि चारों तरफ से घिरा है। एक तरफ आईजी मीरा देशमुख है जो अपने बेटे की मौत का बदला लेना चाहती है तो दसूरी तरफ प्रकाश राज मशहूर वकील के रोल में विजय की मुश्किलें बढ़ाने वाले हैं। इन दोनों के अलावा विजय का सामना जयदीप अहलावत के रूप में एक नए और क्राइम ब्रांच के दृढ़निश्चयी SP राजवीर सिंह तोमर से भी है। ट्रेलर के जारी होने के बाद अब सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इस पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। तो चलिए जानते हैं 'दृश्यम 3' के ट्रेलर को लेकर एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर्स का क्या कहना है।

'दृश्यमः द कन्क्लूजन' का ट्रेलर रिलीज

'दृश्यम 3' की कहानी 'दृश्यम 2' की घटनाओं के बाद आगे बढ़ती है। विजय सलगांवकर के परिवार पर उस वक्त एक नया खतरा मंडराने लगता है जब क्राइम ब्रांच एसपी राजवीर मामले की कमान संभालते हैं और सच्चाई का पता लगाने के लिए निकल पड़ते हैं। प्रकाश राज भी कहानी में रोमांच बढ़ाते हैं, जबकि तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर अपने-अपने किरदारों में नजर आते हैं। ट्रेलर में पुराने राज फिर से सामने आते दिखते हैं और विजय व उसके परिवार को लेकर नए सवाल उठते हैं।

राजवीर के मामले को सुलझाने के पक्के इरादे के कारण, विजय को एक बार फिर उनसे कई कदम आगे रहना होगा।

'दृश्यम 3' के ट्रेलर पर एक्स यूजर्स का रिएक्शन

'दृश्यम 3' का ट्रेलर जारी होने के बाद एक्स यूजर इस पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। किसी ने इसे अपकमिंग ब्लॉकबस्टर बताया तो किसी ने कहानी को लेकर उत्सुकता जाहिर की। एक यूजर ने ट्रेलर पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- 'जयदीप का इस फ्रैंचाइज़ी में शामिल होना शायद सबसे अच्छी बात है। वह बहुत ही शानदार लग रहे हैं।उनके और अजय के बीच की बातचीत आपको और भी देखने की इच्छा जगाती है।' एक ने लिखा- 'क्या शानदार ट्रेलर है।' एक और यूजर ने मजाकिया लहजे में कहा- 'इसमें कोई शक नहीं कि ट्रेलर जबरदस्त है, लेकिन मेरे शब्दों को मार्क कर लो, सैम जिंदा है।' एक लिखता है- 'ब्लॉकबस्टर लोडिंग।'

'आउटस्टैंडिंग'- 'दृश्यम 3' के ट्रेलर की एक्स यूजर ने की तारीफ

एक अन्य ने ट्रेलर को 4 स्टार देते हुए लिखा- 'एक शब्द में- आउटस्टैंडिंग... ट्रेलर आपको सीधे विजय सलगांवकर की दुनिया में ले जाता है... हर सीन जबरदस्त और रोमांच से भरा है और सस्पेंस बरकरार रखा गया है... सबसे अच्छी बात अजय देवगन और जयदीप अहलावत के बीच की टक्कर है... सच में, यह अभी से ही जबरदस्त लग रही है। इस मुकाबले के लिए तैयार हूं. बाकी कास्ट भी अच्छी लग रही है. बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा है और सिनेमैटोग्राफी भी। यह एक रोमांचक सफर होने वाला है।'

दृश्यम 3 की कास्ट

'दृश्यम 3' की कास्ट की बात करें तो अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, इशिता दत्ता, कमलेश सावंत, प्रकाश राज, जयदीप अहलावत और मृणाल जाधव जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक हैं, जिनके साथ हाल ही में फिल्म की पूरी टीम ने लॉन्च में हिस्सा लिया।

20 साल पुरानी है कंपाउंडर और मुन्ना भैया की दोस्ती, कॉलेज में दिव्येंदु थे सीनियर, खूब करते थे अभिषेक की खिंचाई

मुंबई (एजेंसी)। दिव्येंदु और अभिषेक बनर्जी को आज 'मिर्जापुर' के मुन्ना भैया और कंपाउंडर के रूप में पहचान मिली हुई है। दोनों की जोड़ी ने सीरीज में अपनी खास केमिस्ट्री से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इनके बीच की दोस्ती पर्दे पर साथ काम करने से कई साल पहले शुरू हो चुकी थी। दोनों की मुलाकात 2003 में कॉलेज के दिनों में हुई थी। उस वक्त दोनों अभिनय की दुनिया में अपनी पहचान बनाने का सपना देख रहे थे और थिएटर से अपने करियर की शुरुआत को मजबूत कर रहे थे।

किरोड़ीमल कॉलेज के थिएटर ग्रुप में मिले थे दोनों

अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिव्येंदु के साथ 'मिर्जापुर' से जुड़ी तस्वीर साझा की और उनके साथ अपने पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने बताया कि 2003 में दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज के थिएटर ग्रुप 'प्लेयर्स' से जुड़े रहने के दौरान दोनों की दोस्ती हुई। दोनों एक ही शहर से थे और अभिनय को लेकर काफी उत्साहित रहते थे। कॉलेज के मंच पर साथ काम करते-करते दोनों के बीच दोस्ती मजबूत होती गई। अभिषेक ने दिव्येंदु को अपने कॉलेज के दिनों का ऐसा सीनियर बताया, जिससे उन्होंने अभिनय की कई बारीकियां सीखीं। उनके मुताबिक दिव्येंदु ने उन्हें एक्टिंग के बारे में ऐसी चीजें सिखाईं, जो शायद किसी सामान्य क्लास में सीखने को नहीं मिलतीं। यही वजह है कि आज भी वह दिव्येंदु को केवल दोस्त ही नहीं, बल्कि अपना शिक्षक और उस दौर का खास साथी मानते हैं।

रियल लाइफ में भी मुन्ना भैया करते थे कंपाउंडर की खिंचाई

'मिर्जापुर' में मुन्ना भैया और कंपाउंडर की नोकझोंक दर्शकों को काफी पसंद आई थी। दिलचस्प बात यह है कि दोनों के बीच ऐसी मस्ती केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं थी। अभिषेक ने फिल्मीज्ञान को दिए इंटरव्यू में बताया था कि कॉलेज के दिनों में दिव्येंदु उनके सीनियर होने के कारण अक्सर उनकी टांग खींचते थे। यानी पर्दे पर मुन्ना भैया जिस अंदाज में कंपाउंडर को छेड़ते और परेशान करते दिखाई देते हैं, उसकी झलक असल जिंदगी में भी उनके रिश्ते में मौजूद थी। कॉलेज के समय की यही दोस्ताना शरारत बाद में कैमरे के सामने उनकी सहज केमिस्ट्री में नजर आई।

23 साल बाद फिर साथ आए दोनों कलाकार

कॉलेज से शुरू हुई दोस्ती ने लंबा सफर तय किया और करीब 23 साल बाद दोनों कलाकार एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आ रहे हैं। इस बार उनकी जोड़ी 'मिर्जापुरः द मूवी' में दिखाई दे रही है। अभिषेक ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में इस सफर को याद करते हुए कहा कि इतने वर्षों बाद जिंदगी ने उन्हें फिर एक ही स्क्रीन पर साथ ला दिया है।

'हनुमान अंश' ने रचा कमाई का नया अध्याय

मुंबई (एजेंसी)। नीम करोली बाबा के जीवन और आध्यात्मिक विचारों पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' का सिनेमाघरों में प्रदर्शन लगातार जारी है। रिलीज के 33 दिन पूरे होने के बाद भी फिल्म की कमाई की रफ्तार ने सबका ध्यान खींचा हुआ है। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन अब 169.20 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और यह जल्द ही 170 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकती है। खास बात यह है कि फिल्म ने बिना किसी बड़े व्यावसायिक शोर के बॉक्स ऑफिस पर लंबी पारी खेली है। अब फिल्म की टीम सीएम योगी से मिलने पहुंची, बीते दिन सीएम से टीम की मुलाकात हुई है।

फिल्म की इसी सफलता के बीच इसकी टीम ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी, निर्माता और कलाकारों ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर पहुंचकर उनसे बातचीत की। इस मुलाकात की तस्वीरें मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर भी साझा की गईं। बैठक के दौरान फिल्म से जुड़े कई पहलुओं पर चर्चा हुई और टीम ने फिल्म बनाने के अपने अनुभव मुख्यमंत्री के साथ साझा किए। मुलाकात के दौरान बातचीत का प्रमुख विषय फिल्म में दिखाए गए नीम करोली बाबा के आध्यात्मिक जीवन और नाथ संप्रदाय से जुड़े प्रसंग रहे। फिल्म में बाबा के जीवन और साधना को नाथ परंपरा से जुड़े संतों के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। टीम ने मुख्यमंत्री को फिल्म के कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों के बारे में जानकारी दी, जिनमें गोरखनाथ और नाथ संप्रदाय की परंपरा से जुड़े संदर्भ शामिल हैं। नाथ संप्रदाय हिंदू आध्यात्मिक परंपरा की एक महत्वपूर्ण धारा मानी जाती है, जिसका संबंध भगवान शिव से जोड़ा जाता है। इस परंपरा में योग, ध्यान, साधना और वैराग्य को विशेष महत्व दिया जाता है। 'हनुमान अंश' में नीम करोली बाबा के आध्यात्मिक सफर को इसी परंपरा से जुड़े संतों के साथ उनके संबंधों के संदर्भ में दिखाने की कोशिश की गई है। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने मुलाकात के दौरान नीम करोली बाबा के शुरुआती आध्यात्मिक जीवन से जुड़े कुछ पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक बाबा ने अपने जीवन के शुरुआती दौर में नाथ परंपरा से जुड़े संतों का सान्निध्य प्राप्त किया था।

न ग्लैमर, न तामझाम, लंदन में सुकून भरे पल बिताते दिखे विराट कोहली और अनुष्का शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली एक बार फिर अपनी सादगी भरी लाइफस्टाइल को लेकर चर्चा में हैं। दोनों को हाल ही में लंदन की सड़कों पर एक साथ टहलते हुए देखा गया। मंगलवार की सुबह सामने आईं उनकी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया है। आमतौर पर अपनी निजी जिंदगी को कैमरों और सार्वजनिक चर्चाओं से दूर रखने वाला यह कपल इस दौरान बेहद सामान्य अंदाज में नजर आया। उनकी आउटिंग में किसी तरह की दिखावटी तैयारी नहीं दिखी और दोनों एक आम कपल की तरह सुबह की सैर का आनंद लेते नजर आए।

वायरल हो रही तस्वीरों में विराट कोहली काफी आरामदायक कपड़ों में दिखाई दिए। उन्होंने ऑलिव ग्रीन रंग का स्वेटशर्ट और डेनिम पहनी हुई थी। वहीं अनुष्का शर्मा ने भी ग्लैमरस लुक के बजाय कम्फर्टेबल एथलीजर को प्राथमिकता दी। वह टॉप, जॉगर्स, जैकेट और कैप में नजर आईं। दोनों एक-दूसरे का हाथ थामकर चलते दिखाई दिए, जिससे उनकी यह छोटी-सी आउटिंग काफी सहज और निजी पल जैसी लगी। लोगों की नजरें एक्ट्रेस के गले पर जा टिकी, बेहद सादगी से जिंदगी बिता रही अनुष्का अपने गुरू के दिए विचारों को विदेश में भी सजों रही हैं।

सेहत

इन चीजों से दूर ही रहें गठिया के मरीज

गठिया एक ऐसी बीमारी है जिसमें इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है। इसमें शरीर के टिशूज और हड्डियां समय के साथ तेजी से खराब होने लगते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं यह ऐसी बीमारी है जिसमें हड्डियों के जोड़ में तेजी से दर्द होने लगता है और उसके आसपास के एरिया में सूजन आ जाती है। अगर आप भी गठिया के गंभीर बीमारी से जूझ रहे है तो इन फूड आइटम को भूल से भी न खाएं। सर्दियों में यह समस्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है।

संतरा

सर्दियों में संतरा खूब खाया जाता है लेकिन अगर आपको गठिया की बीमारी है तो आपको इस फल से परहेज करना चाहिए। क्योंकि संतरा में विटामिन सी होता है जो हड्डियों को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। सिर्फ इतना ही नहीं हड्डियों में जमा कैल्शियम की परत को भी हटाने लगता है जिसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती है और गठिया का दर्द बढ़ने लगता है।

बैंगन

गठिया के मरीज को बैंगन खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह नाइटशेड वेजिटेबल है जिससे हड्डियों को काफी ज्यादा नुकसान होता है। नाइटशेड सब्जियों में सोलानिन नाम का कंपाउंड होता है जो हड्डियों को सूजन को बढ़ाता है और स्थिति को और भी गंभीर कर सकता है। गठिया के मरीजों को बैंगन खाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे हड्डियों को काफी ज्यादा नुकसान होता है और इससे हड्डियां कमजोर भी होने लगती हैं।

कॉफी

सर्दियों में ज्यादातर लोग कॉफी खूब पीते हैं। कॉफी में कैफीन की मात्रा कॉफी अधिक होती है जो गठिया की बीमारी को बढ़ा सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं यह हड्डियों को कॉफी ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। जिसके कारण जोड़ों में भयंकर दर्द होता है। सर्दियों में इन चीजों से परहेज करना चाहिए। कैल्शियम से भरपूर एंटी इंफ्लेमेटरी फूड्स कम से कम खाना चाहिए जो शरीर में सूजन को कम करें और गर्म रखे। **(एजेंसी)**

जानिए फालसे खाने के फायदे

आयुर्वेद कहता है कि सीजन के हिसाब से हमें फल सब्जियां अपनी डाइट में शामिल करने चाहिए। खासतौर से ऐसे फल सब्जी जो आपके आसपास पैदा होते हों। ये फल सब्जियां ऋतु के अनुसार शरीर को मजबूत और स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं। गर्मी में पानी से भरपूर फल सब्जियां आने लगते हैं। ऐसा ही एक फल है फालसा, जो सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। फालसा (Phalsa fruit) दिखने में मोती जितना होता है और इसका रंग लाल होता है। फालसे खाने से शरीर की कमजोरी दूर होती है। लू लगने और गर्मी के कारण बुखार आने पर फालसा खाने फायदे मिलते हैं। आइये जानते हैं फालसे खाने से क्या फायदे मिलते हैं?

फालसा क्या होता है?

फालसा एक फल होता है जो गर्मी के सीजन में मिलता है। फालसा काफी छोटा, गोल, मुलायम और लाल रंग का होता है। फालसा पीले रंग का झाड़ी पर आता है। बड़े मटर या जंगली झरबेरी जैसे धूसर रंग के होते हैं। जब फल कच्चा होता है तो ये हरे रंग का होता है लेकिन पकने पर लाल और बैंगनी रंग का हो जाता है। इसका स्वाद खट्टा मीठा होता है।

फालसा में विटामिन

फालसा में पोटाशियम, विटामिन ए, कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। गर्मी में फालसे का शरबत बनाकर पीते हैं। आचार्य बाल कृष्ण ने फायसे खाने के अनगिनत फायदे बताए हैं।

फालसा खाने के फायदे

पेट दर्द में राहत- खाने में लापरवाही होने पर या कुछ असंतुलित खाने पर पेट दर्द की परेशानी शुरू हो जाती है। ऐसे में फालसे का रस काफी फायदेमंद साबित होता है। पेट दर्द होने पर 5-10 मिली फालसे के रस पीने से आराम मिल जाएगा।

पेशाब के रोगों में फायदेमंद- फालसा खाने से मूत्र संबंधी रोगों में काफी राहत मिलती है। पेशाब करते वक्त जलन होना या पेशाब के वक्त दर्द होने की समस्या में लाभ मिलता है। अगर यूटीआई है तो फालसे की जड़ का उपाय कर सकते हैं। **(एजेंसी)**

गर्मियों में खाएं ये ड्राई फ्रूट्स, दिन भर शरीर में बनी रहेगी एनर्जी

गर्मी के मौसम में शरीर को ज्यादा एनर्जी की जरूरत होती है। ऐसे में अपनी डाइट में हर किसी को नट्स और हेल्दी चीजों को शामिल करना चाहिए। नट्स शरीर को प्रोटीन देने के साथ साथ इंस्टेंट एनर्जी देने का काम करता है। ड्राई फ्रूट्स हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ शरीर को जरूरी पोषण देता है। ऐसे में इस मौसम में सही नट्स का चयन करना बेहद जरूरी है। यहां हम आपको कुछ ऐसे ड्राई फ्रूट्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका सेवन करने से शरीर में घोड़े जैसी एनर्जी आएगी।

मूंगफली

मूंगफली प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा देने और मांसपेशियों को मजबूत बनाने का काम करता है। 28 ग्राम मूंगफली में 7 ग्राम प्रोटीन होता है।

बादाम

बादाम का सेवन सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। यह फाइबर और हेल्दी फैट्स का बेहतरीन सोर्स है। ये पेट को लंबे समय तक भरा रखता है इसे रातभर भिगोकर रखें और सुबह इसका सेवन करें। 28 ग्राम बादाम में लगभग 6 ग्राम प्रोटीन होता है।

पिस्ता

पिस्ता फाइबर, पोटेशियम और विटामिन B6 से भरपूर होता है। दिनभर एनर्जेटिक रहने के लिए इसे भी आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

काजू

काजू मैग्नीशियम और आयरन का बेहतरीन सोर्स माना जाता है। जो एनर्जी लेवल को बनाए रखने में मदद करता है। गर्मियों में इसका सेवन भी सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचा सकता है। **(एजेंसी)**

सर्दियों में सिर्फ भाप लेकर कई समस्याओं से पा सकते हैं छुटकारा, जानें इसे लेने का सही तरीका

भाप लेना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। भाप की गर्मी शरीर के फेफड़े को अंदर से साफ करने का काम करती है। यह फेफड़ों और सांस के रास्तों को खोलकर देती है जिससे सांस लेने में आसानी होता है। सर्दियों में भाप लेने से कई फायदे होते हैं।

सांस की समस्याओं से राहत

सर्दियों में सांस से जुड़ी कई समस्याएं ज्यादा होती हैं। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, कफ जमा होना, सांस लेने में तकलीफ जैसी परेशानियां आम हो जाती हैं। लेकिन भाप लेने से इन सभी से राहत मिल सकती है। भाप की गर्मी फेफड़ों तक पहुंचकर उन्हें खोल देती है।

सिरदर्द से छुटकारा

ठंड और मौसमी बदलाव के कारण अकसर लोगों को सिरदर्द की परेशानी होने लगती है लेकिन भाप लेने से इससे तुरंत राहत मिल सकती है।

नाक बंद होने से राहत

ठंड-गर्मी और मौसम में बदलाव के कारण अकसर लोगों की नाक बंद हो जाती है। लेकिन भाप लेने से इससे तुरंत राहत मिल सकती है। भाप की गर्मी से नाक के अंदर का कफ पिघलने लगता है। नाक के रास्ते साफ होते हैं और सांस के लिए जगह बनती है।

नींद लाने में सहायक

भाप की गर्मी शरीर को अंदर से गर्म कर देती है। यह तनाव कम कर आराम पहुंचाती है। साथ ही नाक और सांसनलिका साफ होने से आरामदायक नींद आती है। भाप में हाइड्रोजन पेरॉक्साइड भी सोने में मदद करता है।

कैसे लें भाप

भाप इन्हेलर एक छोटा सा डिवाइस होता है जिसमें पानी भरकर भाप ली जा सकती है। ये बहुत ही आसान तरीका है भाप लेने का। चलिए जानते हैं भाप इन्हेलर का इस्तेमाल किस तरह करते हैं।

सबसे पहले अपने भाप इन्हेलर में पानी भर दें। पानी की मात्रा इन्हेलर की क्षमता के अनुसार ही भरनी चाहिए।

अब इसे ऑन करें और थोड़ी देर तक पानी गर्म होने दें। जब पानी से भाप निकलने लगे, तब इस्तेमाल कर सकते हैं।

5 से 10 मिनट तक भाप लेते रहें। बीच-बीच में आराम जरूर कर लें।

जब भाप लेना बंद करें तो इन्हेलर को ऑफ कर दें।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

गुरुवार 10 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक आज

बिलासपुर। संभागायुक्त सुनील जैन की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक 10 सितम्बर को दोपहर 12 बजे संभागायुक्त कार्यालय कोनी के सभाकक्ष में रखी गई है।

386 श्रद्धालु करेंगे तीर्थदर्शन

बिलासपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत जिले के तीर्थयात्रियों का दल 21 सितम्बर को रेलवे स्टेशन से मथुरा, वृंदावन एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए रवाना होंगे। यह यात्रा 21 सितंबर से 24 सितंबर 2026 तक चलेगी। इस यात्रा में जिले के 375 तीर्थयात्री एवं 11 शासकीय अनुरक्षक शामिल होंगे। सभी श्रद्धालुओं को निर्धारित तिथि पर बिलासपुर रेलवे स्टेशन से तीर्थ यात्रा के लिए रवाना किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु मथुरा, वृंदावन एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजन, परित्यक्ता एवं विधवा श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

7681.0 मिमी वर्षा दर्ज

जशपुरनगर। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में 01 जून से 09 सितम्बर 2026 तक कुल 7681.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि पिछले 10 वर्षों की इस अवधि की औसत वर्षा 9127.8 मिमी है। इस प्रकार जिले में अब तक सामान्य वर्षा का 84.1 प्रतिशत वर्षा हो चुकी है।

राज्य निर्माण के बाद पहली बार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में एक साथ 21 सहायक संचालकों की नियुक्ति

भविष्य के छत्तीसगढ़ के शहरों को आकार देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अब युवा टाउन प्लानर्स के कंधों पर : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

शहरों का विकास केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों के अनुरूप किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के 21 नवचयनित सहायक संचालकों (योजना) को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवचयनित अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के बाद पहली बार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में सहायक संचालकों की नियुक्ति हुई है। यह नियुक्ति विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ प्रदेश में तेजी से हो रहे शहरीकरण को सुनियोजित दिशा देने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नवचयनित अधिकारियों के माता-पिता और परिजनों को भी विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर योग्य बनाना और उन्हें जिम्मेदार पद पर प्रदेश तथा जनता की सेवा करते देखना प्रत्येक माता-पिता के लिए गर्व और प्रसन्नता का अवसर होता है। आज इन युवाओं के जीवन में नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो रही है और इसके साथ उनके परिवारों की

अपेक्षाएं तथा प्रदेश की आशाएं भी जुड़ी हुई हैं।

'मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस अवधि में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में कुल 17 सहायक संचालकों की नियुक्ति हुई थी, जबकि आज एक साथ 21 युवा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभागों को पर्याप्त मानव संसाधन और प्रोफेशनल क्षमता से सशक्त कर रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। गांवों से शहरों की ओर आबादी का विस्तार होने के साथ नगरों की सीमाएं बढ़ रही हैं और प्रमुख सड़कों तथा शहरों के आसपास नई बसाहटें विकसित हो रही हैं। आने वाले वर्षों में यह गति और तेज होगी। ऐसे में आवासीय क्षेत्रों, व्यावसायिक गतिविधियों, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, परिवहन, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए दीर्घकालीन एवं वैज्ञानिक योजना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नवचयनित अधिकारियों से कहा कि टाउन प्लानिंग केवल नक्शे बनाने या भू-उपयोग तय करने का कार्य नहीं है। इसका सीधा संबंध नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता और शहरों के भविष्य से है। एक अच्छी योजना शहर को व्यवस्थित बनाती है, नागरिक सुविधाओं को सुलभ करती है और भविष्य में अनियोजित विस्तार से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रोकती है। इसलिए आज नियुक्त हुए युवा अधिकारियों के कंधों पर भविष्य के छत्तीसगढ़ के शहरों और कस्बों को आकार देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवचयनित अधिकारियों को दायित्वबोध का संदेश देते हुए कहा कि शासकीय सेवा जनता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई गति देंगी मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाएं : मुख्यमंत्री

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 10 हजार 783 करोड़ रुपए की लागत वाली तीन महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इनमें बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन छत्तीसगढ़ के विकास की दृष्टि से विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश के रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी, यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा तथा उद्योग और व्यापार के लिए माल परिवहन अधिक सुगम एवं

प्रभावी होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक और मजबूत रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में अभूतपूर्व गति से कार्य हो रहा है। छत्तीसगढ़ को भी इसका निरंतर लाभ मिल रहा है। नई मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को गति देने के साथ प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों, औद्योगिक विकास और रोजगार की नई संभावनाओं को विस्तार देंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत तीन परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन तथा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इनकी कुल अनुमानित लागत 10 हजार 783 करोड़ रुपए है और इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूर्ण करने की योजना है।

इन तीनों परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इनसे लगभग 4 हजार 790 गांवों और करीब 56 लाख की आबादी को बेहतर रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन की स्वीकृति छत्तीसगढ़ के लिए विशेष महत्व रखती है। इन परियोजनाओं से इस महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर की क्षमता में वृद्धि होगी।

नेपाल आपदा पीड़ितों के लिए बिलासपुर ने बढ़ाया मदद का हाथ, पहले दिन जुटे 72 हजार 600 रुपये

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। नेपाल में आई आपदा से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए बिलासपुर ने मानवीय संवेदना के साथ मदद का हाथ बढ़ाया है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा बिलासपुर द्वारा कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल के नेतृत्व में आज से विशेष राशि एकत्रीकरण अभियान शुरू किया गया। अभियान के पहले ही दिन 72 हजार 600 रुपये की सहयोग राशि एकत्रित की गई। अभियान का शुभारंभ कलेक्टर अग्रवाल द्वारा स्वयं सहयोग राशि प्रदान कर किया गया। इसके पश्चात उन्होंने रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर, पुरानी एवं नई कंपोजिट

बिल्डिंग, जिला न्यायालय तथा जिला पंचायत परिसर पहुंचकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नेपाल के आपदा पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए स्वेच्छा से योगदान देने की अपील की। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में सहायता के लिए आगे आना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग राशि प्रदान कर इस मानवीय अभियान में सहभागी बनने की अपील की। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा राशि एकत्रीकरण अभियान आगामी 10 दिनों तक शहर के विभिन्न स्थानों पर संचालित किया जाएगा। रेडक्रॉस के दल अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों से सहयोग राशि एकत्रित करेंगे।

उपेक्षा के दंश से कराह रहा दल्लीराजहरा

क्या 'बालोद-दल्लीराजहरा' संयुक्त नामकरण और विभागों की शिफ्टिंग से लौटेगी मृतप्राय शहर में रौनक?

– फिरोज अहमद खान

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य में प्रशासनिक सुगमता और स्थानीय भावनाओं का सम्मान करते हुए कई नए जिलों का गठन किया गया है। जिनमें गौरेला - पेंड्रा - मरवाही, सारंगढ़ - बिलाईगढ़, मोहला - मानपुर - अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़ - छुईखदान - गंडई और मनेंद्रगढ़ - चिरमिरी-भरतपुर जैसे क्षेत्रों को जोड़कर नए जिलों का दर्जा दिया जाना इस बात का प्रमाण है कि विकास की मुख्यधारा से छूटे इलाकों को अलग पहचान दी जा सकती है। परंतु, इस प्रशासनिक पुनर्गठन के बीच एक यक्ष प्रश्न लगातार कौंध रहा है कि आखिर पूरे जिले को सर्वाधिक राजस्व देने वाले ऐतिहासिक लौह अयस्क भंडार पर बसे शहर दल्ली राजहरा के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों? जब अन्य स्थानों पर संयुक्त नामों से जिले बन सकते हैं, तो जिले का नाम 'बालोद-दल्ली राजहरा' क्यों नहीं किया जा सकता? आज दल्ली राजहरा अपनी बदहाली के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है और इसकी दम तोड़ती अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवन की दरकार है।

बदहाली की कगार पर खड़ा राजस्व का मुख्य स्रोत

दल्ली राजहरा केवल एक शहर नहीं, बल्कि भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) की रीढ़ और समूचे क्षेत्र के आर्थिक विकास का पावरहाउस रहा है। इस शहर ने दशकों तक राज्य और केंद्र सरकार की तिजोरी में अरबों रुपये का राजस्व जमा किया जाता रहा है जो आज भी जारी है। दुर्भाग्य से, आज वही शहर आर्थिक तंगी और प्रशासनिक उपेक्षा की अंतिम सांसें गिन रहा है।

यदि आज भी इस शहर के बाजार गुलजार हैं और शहर उजड़ने से बचा हुआ है, तो इसका पूरा श्रेय यहां के जुझारू और मेहनतकश व्यापारियों को जाता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। इसके विपरीत, शहर के कथित जन प्रतिनिधियों, राजनीतिक नेताओं और यूनियन नेताओं के स्वार्थ ने इस शहर को विकास की दौड़ में मीलों पीछे धकेल दिया। नए उद्योगों, कारखानों और व्यापारिक परियोजनाओं के जो सपने यहां की जनता को दिखाए गए थे, वे स्थानीय नेतृत्व की अकर्मण्यता और लालच की बलि चढ़ गए।

झूठे दावों और सियासी साजिशों की भेंट चढ़ा जिला बनने का हक

वर्षों पूर्व, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सरकार के कार्यकाल में अविभाजित दुर्ग जिले को विभाजित कर नए जिले के गठन की रूपरेखा तैयार की जा रही थी, तब दल्ली राजहरा सबसे प्रबल दावेदार था। लेकिन उस दौरान शहर के कुछ स्वार्थी नेताओं ने अपने निजी व राजनीतिक आकाओं के इशारों पर एक भ्रामक तंत्र रचा। जनता के बीच यह अफवाह फैलाई गई कि दल्ली राजहरा में शासकीय भवनों के निर्माण के लिए राजस्व भूमि उपलब्ध नहीं है, क्योंकि अधिकांश भूमि बीएसपी और रेलवे के पास है।

यह तर्क पूरी तरह से तथ्यात्मक रूप से गलत और गुमराह करने वाला था। दल्ली राजहरा से बिल्कुल सटा हुआ चिखलकसा नगर पंचायत क्षेत्र है, जहाँ की सीमाएं चिखलकसा और दल्ली राजहरा आपस में पूरी तरह जुड़ी हुई हैं। चिखलकसा क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में राजस्व एवं वन भूमि का विशाल भंडार मौजूद था, जहाँ कलेक्ट्रेट, एसपी कार्यालय सहित सभी प्रमुख विभागों के प्रशासनिक भवन आसानी से बनाए जा सकते थे। लेकिन इस सच को दबा दिया गया और जिला मुख्यालय बालोद ले जाया गया।

विडंबना देखिए, बालोद को जिला मुख्यालय घोषित करने के बाद भी अधिकांश जिला स्तरीय कार्यालय बालोद शहर में न बनकर उससे काफी दूर ग्राम सिवनी में स्थापित किए गए। यदि सिवनी में दूरस्थ कार्यालय बन सकते थे, तो दल्ली राजहरा के चिखलकसा क्षेत्र में क्यों नहीं? आपको बता दें कि दल्ली राजहरा में उस समय की ग्राम पंचायत चिखलकसा को जोड़ने की बात चली थी लेकिन चिखलकसा और दल्ली राजहरा के भाजपा नेताओं की स्वयं के वर्चस्व की लड़ाई ने दल्ली राजहरा को गहरी खाई में धकेल दिया था।

जन-चुप्पी और जिले के पुनर्गठन की नई आस

दल्ली राजहरा की जनता और प्रबुद्ध वर्ग की लंबी चुप्पी का ही परिणाम है कि आज तक इस ऐतिहासिक अन्याय पर किसी ने खुलकर आवाज नहीं उठाई। लेकिन समय रहते अगर किसी गलती को सुधारा जाए, तो उसे देर नहीं कहा जाता। आज भी स्थिति को संभाला जा सकता है।

राज्य के संवेदनशील और लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के पास इस ऐतिहासिक भूल को सुधारने का स्वर्णिम अवसर है। यदि सरकार पहल करते हुए जिले का पुनर्नामकरण 'बालोद-दल्ली राजहरा' अथवा 'दल्ली राजहरा-बालोद' करती है, तो यह इस क्षेत्र की जनता के साथ बड़ा न्याय होगा।

आर्थिक पुनरुद्धार और व्यावहारिक समाधान

दल्ली राजहरा को संजीवनी देने के लिए केवल नाम बदलना ही काफी नहीं होगा, बल्कि प्रशासनिक संतुलन स्थापित करना भी जरूरी है :

1. कार्यालयों की शिफ्टिंग : बालोद जिले के ऐसे कई शासकीय विभाग, जो वर्तमान में सिवनी स्थित संयुक्त जिला कार्यालय में जगह की कमी या अन्य कारणों से सही ढंग से संचालित नहीं हो पा रहे हैं, उन्हें दल्ली राजहरा में स्थानांतरित किया जा सकता है।

2. समीपवर्ती ग्रामीणों को राहत : दल्ली राजहरा में जिला स्तरीय दफ्तर खुलने से न केवल शहर में चहल-पहल बढ़ेगी, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को भी अपने शासकीय कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करने से मुक्ति मिलेगी।

3. व्यापारिक गतिविधियों में तेजी : प्रशासनिक हलचल बढ़ते ही शहर के रियल एस्टेट, परिवहन, फुटकर व्यापार और सेवा क्षेत्र में नए प्राण फुकेंगे, जिससे ढहती हुई अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

जनहित से दूर 'कापी-पेस्ट' पत्रकारिता और अवसरवादी नेताओं का सच

शहर की इस दुर्दशा के लिए केवल भ्रष्ट नेता ही जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि वे मौकापरस्त तत्व भी समान रूप से दोषी हैं जो पत्रकारिता के पवित्र पेशे को कलंकित कर रहे हैं। जिन्हें हिंदी का 'ह' लिखना तक ठीक से नहीं आता और जिन्होंने कभी दल्ली राजहरा के उद्धार या जनकल्याण के लिए अपनी कलम उठाना मुनासिब नहीं समझा, वे अब केवल अवैध वसूली और अपनी दुकान चलाने में व्यस्त हैं।

जैसे ही जनहित का यह मुद्दा उठा है, अब यही 'कापी-पेस्ट' छाप (नकलचोर) पत्रकार और स्वार्थी नेता इस समाचार को चुराकर, हुबहु कॉपी करके पूरा श्रेय लेने की होड़ में दंगल में कूद पड़ेंगे। ये वही लोग हैं जो अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए दूसरों की मेहनत पर नाम चमकाने का प्रयास करते हैं, जबकि शहर के मुद्दों पर इनकी कलम हमेशा खामोश ही रही है।

अब देखना है कौन सा नेता बनेगा शहर का मसीहा

दल्ली राजहरा की माटी ने हमेशा देश और प्रदेश को कुछ न कुछ दिया ही है, बदले में उसे केवल उपेक्षा मिली है। अब समय आ गया है कि दलीय राजनीति और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर शहर के अस्तित्व की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय जनता पार्टी का कौन सा कद्दावर और दूरदर्शी नेता इस मरते हुए शहर की चीख सुनता है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तक इस क्षेत्र की वाजिब मांग को पहुंचाकर दल्ली राजहरा को उसका खोया हुआ सम्मान वापस दिलाता है जिससे कि उस नेता का नाम इतिहास में दर्ज होते हुए भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। 'बालोद-दल्ली राजहरा' का यह नया स्वरूप न केवल शहर में रौनक वापस लाएगा, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

छत्तीसगढ़ में नए जिलों के गठन और दो-तीन शहरों को मिलाकर संयुक्त नाम देने की तर्ज पर बालोद जिले का नाम 'बालोद - दल्ली राजहरा' करने की मांग को लेकर कानूनी व प्रशासनिक प्रक्रिया की चर्चा तेज हो गई है। दल्ली राजहरा के बड़े क्षेत्रफल और घनी आबादी को देखते हुए जिले के नाम में संशोधन राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

राज्य में किसी जिले का नाम बदलने या नया नाम जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 13 के तहत प्रावधान है। इसके लिए प्रक्रिया निम्न चरणों में पूरी की जाती है -

1. प्रस्ताव व रिपोर्ट : स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर जिला प्रशासन/कलेक्टर द्वारा प्रस्ताव तैयार कर राज्य के राजस्व विभाग को भेजा जाता है।

2. कैबिनेट की मंजूरी : राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) से प्रस्ताव पास होना अनिवार्य है।

3. दावे-आपत्ति : राजपत्र (गज़ेट) में प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर जनता से 30 से 60 दिनों के भीतर सुझाव व आपत्तियां मांगी जाती हैं।

4. केंद्रीय गृह मंत्रालय की अनापत्ति : नाम परिवर्तन के लिए रेलवे, डाक विभाग और सर्वे ऑफ इंडिया की अनापत्ति (एनओसी) ली जाती है।

5. अंतिम अधिसूचना : प्रक्रिया पूरी होने पर सरकार अंतिम अधिसूचना जारी कर नया नाम लागू कर देती है।

:- संपादकीय :-

कसौटी पर अभी मंजिल दूर

बैडमिंटन के बड़े टूनार्मेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। भारत को सिर्फ एक कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।देश ने राहत की सांस ली है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में बैंडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन दोषमुक्त ढंग से हुआ। इस साल के आरंभ में उसी स्टेडियम में इंडिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के आयोजन के दौरान बंदरों और कबूतरों की बार-बार घुसपैठ भारत की बदनामी की वजह बनी थी। काबिल-ए-तारीफ है कि आयोजकों ने उस अनुभव से सबक सीखा। नतीजतन, जिस समय दुनिया का ध्यान भारत पर टिका था, कोई ऐसी बात नहीं हुई, जो देशवासियों के लिए असहजता का कारण बनती।जहां तक खेल का संबंध है, भारत ने 2011 से लगातार कोई ना कोई मेडल जीतने का सिलसिला बरकरार रखा, लेकिन कुल प्रदर्शन इस टूनार्मेंट में भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी फीका रहा। अपना माहौल होने के बावजूद भारत को सिर्फ ट्रेसी जॉली और गायत्री गोपीचंद के महिला डबल्स में जीते कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दरअसल, दिल्ली में जाहिर यह हुआ कि बैडमिंटन जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी खेल में किसी देश के लिए वर्चस्व बनाए रखना आसान नहीं है। पुरुष सिंगल्स में टॉप 5 सीड वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गए। उधर बैटमिंटन की महाशक्ति जापान कोई स्वर्ण पदक नहीं जीत सका। एक अन्य महाशक्ति चीन को सिर्फ एक स्वर्ण पदक से संतोष करना पड़ा। कुल पांच श्रेणी में हुए मुकाबलों में इंडोनेशिया किसी फाइनल में जगह नहीं बना सका। स्कैंडेनेवियन देशों- खासकर डेनमार्क की नाकामियां भी ध्यान खींचती रहीं। जबकि नई महाशक्ति के रूप में फ्रांस का उदय हुआ, जिसने पुलिस सिंगल्स और मिस्क्ड डबल्स के स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का संदेश है कि बैडमिंटन जैसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले खेल में अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए नई प्रतिभाओं के निरंतर उदय की उर्वर जमीन अनिवार्य है। इस सदी में भारत का इस खेल में एक ताकत बनना बड़ी उपलब्धि रहा है। बड़े टूनार्मेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। प्रतिभाओं की खोज, खिलाडियों के लगन, प्रायोजकों की मदद, और खेल के उचित माहौल के तालमेल से ही यह दूरी तय की जा सकेगी।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर ने चौंकाया

ललित गर्ग ।

व्यावसायिकऔर औद्योगिकनिर्यात में अतुलनीय वृद्धि दर उस समय पर हासिल की गई है जब अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरे विश्व को परेशान किया हुआ है। साथ ही, रूस यूक्रेन युद्ध, ईरान इजराईल-अमेरिका युद्ध, इजराईल हमास युद्ध एवं वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बने रहना भी शामिल है। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने उत्पादों एवं सेवा के क्षेत्र में निर्यात का रिकार्ड बनाया है। जबकि कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती बनी हुई है। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की कुल हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैन्युफेक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्षम, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेसरी भी बढ़ाई जा रही है। भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाईयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निमार्ता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैन्युफेक्चरिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है।

दिनांक 31 अगस्त 2026 को सायंकाल में केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रेल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ओफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। समयऔर कैलेंडर

भारत के युवाओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनशील है। यदि देश में किसी भी प्रकार की अराजकता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास की पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी ट्रेजेक्टरी में अपने आप को बनाए रखने में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार होने से कोई रोक नहीं सकता है। अर्थ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अप्रेल-जून 2026 तिमाही में सराहनीय वृद्धि दर हासिल की गई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रेल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में भी अतुलनीय 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 5.8 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, रोजगार निर्मित करने वाले क्षेत्रों में भी विकास दर प्रभावशाली रही है। वित्तीय क्षेत्र में वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत की दर्ज हुई है तो व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की गई है। साथ ही गैस एवं विजली उत्पादन में भी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजिनीयरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का डंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरांत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंटीग्रेटेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई। समर्पित मालवाहक गलियारों का निर्माण तो इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित हुए हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढि?या रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

सू- दोकू क्र.154

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.153 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

जल-प्रलय के दौर में नदियों की अस्मिता

कैलाश मानसरोवर की तीर्थयात्रा का इस साल का सीजन 2013 की केदारनाथ यात्रा की याद दिलाता है। नेपाल के रास्ते तिब्बत की ओर बढ़ते यात्रियों के साथ सैंकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग भयानक तबाही में काल के गाल में समा गए। आपदा राहत के लिए भारत समेत कई उदार देशों ने सहयोग का हाथ बढ़ाया है। नुकसान की भरपाई के लिए नेपाल के वित्त मंत्री ने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए 500 करोड़ डॉलर की मांग अपने सहयोगी देशों से की है। हिमालय के इतने विशाल खंड के टूट कर गिरने के पीछे तिब्बत (चीन) में हुए विकास कार्य से संबंध किसी से छिपा नहीं है। भीषण तबाही रचने के इस अपराध के कारण चीन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की आवाज भी उठती है।बिना बारिश के अचानक आई बाढ़ की स्थिति के साथ ही बादल फटने से मचने वाली तबाही की वजह से हिमालय में कोहराम मचा हुआ है। पूर्वोत्तर में असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों से बाढ़ की खबरें बराबर आ रही हैं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पश्चिमी हिमालय में बसे हैं। सैलाब की खबरें इन प्रदेशों से भी बराबर आ रही हैं। विकास और आधुनिकता के सपनों के सामने कुदरत का

प्रतिकार अपने रौद्र रूप में दिखता है। पानी के रास्ते में अट्टालिकाएं खड़ी करने वाला नगर नियोजन विभाग इनका पुन?र्माण कर अगली आपदा की तैयारी करता है।इस आधुनिकता के सामने लोक (स्थानीय समाज) घुटने टेकने को मजबूर हैं। 21वीं सदी में हमारे सामने कई संकट हैं। भू-राजनीतिक व्यवस्था बदल रही है। तकनीक इंसानी समझ से आगे निकल जाने का खतरा पैदा कर चुकी है। धरती पर जीवन का अस्तित्व खत्म होने का खतरा मौजूद है। चौथी औद्योगिक क्रांति और पोस्ट पैंडेमिक वर्ल्ड ऑर्डर को गति देने हेतु रेयर अर्थ मिनरल्स की खोज तिब्बत से लेकर आइसलैंड तक चल रही है। आज चीन और अमरीका समेत दुनिया भर के देश इसमें पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं। इसके पहले से तीसरे ध्रुव को जल का सर्वश्रेष्ठ भंडार माना जाता है। चीन ने एशियन वाटर टावर के रूप में इसकी व्याख्या कर इसे खतरनाक हथियार में तबदील करने का लक्ष्य साध लिया है। हिमालय की व्यथा के नाम पर ट्रांस हिमालयन फोरम आरंभ करता है। वर्चस्व स्थापित करने की चीनी रणनीति में इसकी अहमियत है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की राजनीति : भारत समेत 8 देशों ने मिल कर ?हदूकुश और हिमालय के विकास के लिए 80 के दशक में प्रयास शुरू किया था। चीन और बंगलादेश के साथ नेपाल, भूटान, म्यांमार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान भी इसमें शामिल हैं। काठमांडू में इसका मुख्यालय बनाया गया। लेकिन चीन की पर्यावरण रक्षा इतने से पूरी नहीं होती। इसलिए ट्रांस हिमालयन फोरम शुरू किया गया। इसके सामने फ्रांस के साथ मिल कर भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सोलर अलायंस शुरू किया। भारत गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना बेसिन कोआपरेशन फोरम से चीन को दूर रखता है। इनमें बहुपक्षीय सांझीदारों ने जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिकी संतुलन जैसे मुद्दों को इन मंचों पर उठाया है। इनके साथ संयुक्त राष्ट्र और इसके विभिन्न घटक लगातार सक्रिय हैं। द्विपक्षीय राजनयिक संबंध का इतिहास इससे भी पुराना है। दरकते हिमालय को बचाने के लिए सभी प्रतिबद्धता का दावा कर रहे हैं।अपने देश में गंगा के पूजन का रिवाज है। नेपाल में बागमती और चीन में यैलो रिवर की संतानें संकट में हैं। बिहार के तमाम नेता आज फरक्का बैराज तोड? की बात पर आमादा हैं। लेकिन इसी गंगा पर सरहद पार बंगलादेश में बैराज बनाने का काम चल रहा है। दोनों देशों के बीच गंगा जल संधि को 12 दिसम्बर को 30 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इसके नवीनीकरण की प्रक्रिया में कई सवाल उठते हैं।

जल पर कब्जा करने के इस दौर में नदी को ही खारिज किया जाता है। यदि ऐसा नहीं होता तो नीति निमार्ता निचले क्षेत्र से पानी रोकने की अपील का जवाब देते। इस प्रश्न से मुंह फेर कर तोता नारा लग रहा, अविरलता बिन गंगा निर्मल नहीं!

विचार | अजय दीक्षित

शिक्षा बचाने के लिए शिक्षक की बड़ी भूमिका

मौजूदा शिक्षा व्यवस्था की स्थिति व शैक्षणिक संस्थानों के लगातार ह्रास का असर छात्रों पर पड़ रहा है। इस दौर में युवा पीढ़ी जिस तनाव से गुजर रही है, वह चिंताजनक है। छात्रों में बढ़ते तनाव, आत्महत्याएं, सरकारी स्कूलों की बदहाली, कोचिंग का फैलता जाल, अकादमिक आजादी पर संकट और शिक्षा का बाजारीकरण गंभीर जाखिम हैं। सकारात्मक यह कि छात्र आवाज बुलंद कर रहे हैं। बेहतर होगा शिक्षक भी आगे आएं।यह कहने में मुझे (लेखक को) कोई संकोच नहीं कि जब छात्र शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं भेजते हैं, तो साथ मिलकर किए गए काम और क्रमिक विकास के उन खूबसूरत दिनों को याद करके खुशी महसूस होती है। बहुत आभार के साथ उन महान शिक्षाविदों को भी याद करता हूं जिनके प्रभाव ने पढ़ाने के मेरे तौर-तरीके को स्वरूप दिया। निस्संदेह, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होता है- उनकी विद्वत्ता और दार्शनिक सोच का। सावित्रीबाई फुले भी जेहन में आते हैं-हमारे पुरुष प्रधान और जाति-व्यवस्था वाले समाज में दबे-कुचले व हाशिए पर पड़े लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए उनकी हिम्मत और समर्पण के लिए।लेखक के मुताबिक, ह्यअपने ढंग से मैं पाउलो फ्रेरे और बेल हुक्स जैसे लोगों के विचारों से जुड़ा- मुक्त विचारयुक्त शिक्षा की भावना, जिसने हमें प्रेरित किया; या मुझे रवींद्रनाथ टैगोर की काव्यात्मक रचना ह्यए पोएट्स स्कूल जिद्दू कृष्णमूर्ति की किताब स्कूल विदाउट फियर और गिजूभाई बधेका के अद्भुत शिक्षण प्रयोग-जिसका ज़िक्र उनकी किताब दिवास्वप्न में है-इनसे पुनः प्रेरित होना मुझे पसंद है। खुशी है कि किसी सत्ता के लालच ने नहीं, बल्कि सीखने, भूलने व अध्यापन के आनंद ने मेरी नियति को आकार दिया।

अनाम साथियों के नाम

युवाओं की संगत में पता चलता है कि ट्रेंड क्या चल रहा है, वे खुद की, जग की क्या सोच रहे हैं। मध्यम शहरों के उच्च-मध्यम और बड़े शहरों के मध्यम वर्ग के युवाओं के व्यक्तिगत जीवन में, जिसे वे अब आसानी से शेयर कर लेते हैं, फ्रेंड, ब्रेक-अप, लिव-इन, एकल जीवन, शादी/बच्चे करें या न करें, जैसे सवाल अहम होते गए हैं। वे अपने सिस्टम पर बैठे ग्लोबल दुनिया के सदस्य हैं, जिन पर राजेन्द्र गौतम की पंक्तियां हैं–हमने शब्द लिखा था–रिश्ते/ अर्थ हुआ बाजार। कविता के माने खबरें हैं/ संवेदन व्यापार। भटकन की उंगली थामे हम/ विश्वग्राम तक आए। सोमवार से शुक्रवार की शाम तक ताबड़तोड़ काम, फिर वीक-एंड पर बस चिल, कहें तो वर्क-अल्कोहॉलिक डूड।दूसरी तरफ मेरी नजर मुझसे बेहतर-युवा विकल्पों की ओर रहती है। मैंने पाया कि युवाओं में बहुत अच्छी समझ के साथ पढ़ने वाले और शुरूआती दौर में ही स्तरीय लिखने वाले अनेक हैं। ऐसा लगता है कि सिर्फ.अपना लिखा पढ़ाने को और अपनी बात सुनाने को व्यग्र हों तो आपके लिए पाठक-श्रोताओं का टोटा है, मगर आप नई चीज सुनने और पढ़ने को तैयार, बल्कि उत्सुक हैं, फिर देखिए, आप पाएंगे कि भविष्य की रचनात्मकता को लेकर आपकी सारी निराशा दूर हो जाएगी।आप समूह में बैठे हों, वहां अधिकतर आपसे बड़े लोग हैं और आपको लगता है कि जो बातें हो रही हैं, वे अनावश्यक, निरर्थक हैं, छोटे होने के कारण आप बीच में बोल-टोक नहीं पाते और न चाहते हुए भी चुप रहकर सुनते रहते हैं। ऐसी स्थिति में बातों का सिलसिला आपके अनुसार हो तो बातों के बीच उससे जुड़ी अपनी जिज्ञासा, प्रश्न या विनम्र असहमति-आपत्ति रखें। इससे बड़ों को बुरा नहीं लगेगा। वे मानेंगे कि तुम्हें नहीं आता, तुम उनसे पूछ रहे हो, समझना चाहते हो और फिर उनकी बातचीत की दिशा उस ओर मुड़ जाती है, जैसा आप चाहते हैं। साथ ही यह भी याद करने की कोशिश करें कि जब बातचीत में मुख्य भूमिका आपकी होती है, बातचीत की कमान आपके हाथों होती है, तब हम किस तरह के विषयों पर क्या बात करते हैं।

वापस युवाओं पर, जिनसे बातचीत में कुछ ऐसे भी होते हैं, जो जीवन का उद्देश्य, सृष्टि का रहस्य और स्वयं के अस्तित्व पर जिज्ञासु, चर्चा-उत्सुक होते हैं। ऐसे ही शाश्वत प्रश्न हैं, जिनका समाधान नहीं हो पाया है, मगर विचार-चिंतन सभी ने किया है। तब यहीं से धर्म-अध्यात्म और दर्शन विकसित होता है।

शब्द सामर्थ्य -154

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

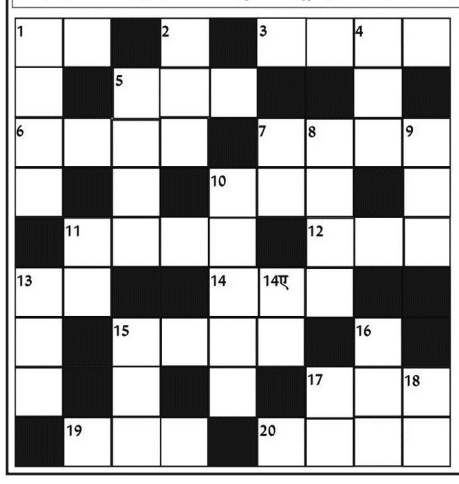

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 153 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दीं		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

कलेक्टर ने जनपद कार्यालय एवं नगर पंचायत सहसपुर लोहारा का किया निरीक्षण

कार्यालयीन व्यवस्थाओं में सुधार, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष जोर

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती तूलिका प्रजापति ने सहसपुर लोहारा स्थित जनपद पंचायत कार्यालय एवं नगर पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं और विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यालयों में स्वच्छता, दस्तावेजों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित रख-रखाव तथा आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए।

जनपद कार्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को कार्यालय भवन की आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय परिसर में नियमित साफ-सफाई रखने तथा सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से रखने को कहा।

उन्होंने सभा कक्ष की भी आवश्यक मरम्मत कराकर उसे व्यवस्थित रखने और स्वच्छता का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि कार्यालय आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नगर पंचायत में पट्टा सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सीएमओ से पट्टा सर्वे कार्य की जानकारी ली। उन्होंने सर्वे कार्य को शीघ्र पूर्ण कर पात्र एवं अपात्र हितग्राहियों की सूची जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित की जाए।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का रखें ध्यान

कलेक्टर ने नगर पंचायत क्षेत्र में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण

कलेक्टर ने नगर पंचायत के समीप चल रहे तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब के पानी को स्वच्छ रखने तथा आसपास प्लास्टिक एवं अन्य कचरा जमा न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाब में कचरा न पहुंचे, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बरसात के बाद शेष कार्यों को शीघ्र शुरू कर अंतिम रूप देने के निर्देश भी दिए।

डिप्टी सीएम अरुण साव भी शामिल हुए 80s फोटो ट्रेंड में

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी सोशल मीडिया पर चल रहे लोकप्रिय 80s फोटो ट्रेंड में शामिल हो गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने आधिकारिक फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने कॉलेज के दिनों की एक पुरानी तस्वीर साझा की है। फोटो पोस्ट करते हुए उन्होंने 80 के दशक की सादगी और सुनहरे दौर को याद किया है। श्री साव ने अपनी पुरानी फोटो पोस्ट करते हुए लिखा " Bringing back the decade of the golden era of grace. #80strend " यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हजारों लोगों ने उनकी पोस्ट को लाइक और शेयर किया है। युवा वर्ग में इस ट्रेंड को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। गौरतलब है कि इन दिनों सोशल मीडिया पर 80s लुक और पुरानी तस्वीरों को साझा करने का ट्रेंड चल रहा है, जिसमें कई जनप्रतिनिधि और सेलिब्रिटी शामिल हो रहे हैं।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

गौरेला पेंड्रा मरवाही । कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से जुड़े 50 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण की जांच कर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचने वाले प्रत्येक नागरिक की बात संवेदनशीलता से सुनी जाए और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने में आवश्यक पहल की जाए। उन्होंने अधिकारियों से आवेदनों के समयबद्ध निराकरण के साथ आवेदकों को राहत उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने कहा। जनसुनवाई के दौरान शिव कुमार ने दिव्यांगता के आधार पर केवाईसी नहीं होने से राशन कार्ड से नाम कटने की समस्या को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने मामले को तत्काल जांच के लिए फूड इंस्पेक्टर को निर्देशित किया। जांच में पाया गया कि हितग्राही का दिव्यांगता के आधार पर राशन कार्ड पहले ही बनाया जा चुका है।

पाम्पलेट वितरित कर साइबर फ्रॉड से बचाव के बताए उपाय

पीएमश्री एकलव्य विद्यालय बंधवा स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों व ग्राम गोंडखाम्ही एवं कोदवाबानी के साप्ताहिक बाजारों में नागरिकों को किया जागरूक,

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल के मार्गदर्शन में "साइबर जागृति अभियान" जिला मुंगेली में लगातार साइबर अपराध के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

दिनांक 08 सितम्बर 2026 को ग्राम बंधवा स्थित पीएम श्री एकलव्य विद्यालय बंधवा में साइबर जागृति अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक लोरमी श्रीमती माधुरी धिरही द्वारा स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग संबंधी धोखाधड़ी से बचने के उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में लगभग 450 स्कूली छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। इस दौरान सभी को साइबर फ्रॉड से बचने एवं अन्य लोगों को भी साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित कर रचनात्मक माध्यम से साइबर जागरूकता का संदेश दिया गया।

इसके पश्चात थाना लोरमी क्षेत्र के ग्राम गोंडखाम्ही एवं थाना लालपुर क्षेत्र के ग्राम कोदवाबानी में आयोजित साप्ताहिक मंगलवार बाजारों में भी साइबर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। पुलिस टीम द्वारा सब्जी विक्रेताओं, किराना व्यापारियों, सोने-चांदी के व्यापारियों, महिलाओं, स्कूली छात्र-छात्राओं सहित आम नागरिकों को साइबर अपराधों के संबंध में जागरूक किया गया। दोनों बाजारों में लगभग 1000 लोगों को साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए गए तथा जागरूकता संबंधी पाम्पलेट वितरण किया गया।

पुलिस द्वारा आमजन को समझाया गया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम/डेबिट कार्ड की जानकारी, बैंकिंग पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल संबंधित बैंक एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें।

कार्यक्रम में उप निरीक्षक सुन्दर लाल गोरले, थाना प्रभारी लालपुर निरीक्षक हर्षा वर्मा, तेज मरकाम, मधुकर रात्रे, बबीता श्रीवास, अतुल ठाकुर सहित थाना लालपुर एवं लोरमी के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुंगेली पुलिस द्वारा "साइबर जागृति अभियान" के माध्यम से जिले के स्कूलों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगातार जनजागरूकता अभियान चलाकर आम नागरिकों को साइबर अपराध से सुरक्षित रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

महासमुंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जनभागीदारी का स्वरूप देने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन जिले में भी किया जाएगा।

अभियान के माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाने के साथ प्रत्येक परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में अभियान की विभिन्न गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री अनुपमा आनंद को अभियान के लिए जिला नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान की सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है। अभियान का शुभारंभ 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा। 17 सितंबर की शाम जमीनी स्तर पर प्रत्येक परिवार को दीप प्रज्वलन से जोड़ने की पहल की जाएगी। प्रत्येक दीप को 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 के संकल्प के प्रतीक के रूप में देखा गया है। मैदानी टीमें घर-घर पहुंचकर नागरिकों को इस पहल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगी। '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' पहल के अंतर्गत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच शासकीय एवं निजी विद्यालयों में विकसित भारत की संकल्पना तथा 25 वर्षों के सेवा कार्यों पर आधारित ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बच्चों की कल्पनाओं को प्रदर्शनी के माध्यम से सामने लाया जाएगा तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। 'नमो सेवा गाथा' के तहत 17 सितंबर से नुक्कड़ नाट्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। 2 अक्टूबर को देश के 100 प्रमुख स्थलों पर विशेष मंचन प्रस्तावित है।

नवनियुक्त कलेक्टर रणबीर शर्मा से भाजपा पदाधिकारियों ने की सौजन्य भेंट, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। गरियाबंद भाजपा के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने जिले के नवनियुक्त कलेक्टर रणबीर शर्मा से सौजन्य भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराते हुए जनहित और विकास कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने भाजपा पदाधिकारियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए प्रशासनिक स्तर पर जनसमस्याओं के निराकरण एवं विकास कार्यों को गति देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में प्रशासन सकारात्मक पहल करते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगा, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वहीं कलेक्टर रणबीर शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों ने उन्हें भारत माता का छायाचित्र भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर झाकरपारा मंडल प्रभारी डॉ. मनीष सिन्हा, देवभोग मंडल प्रभारी डॉ. पदूलोचन जगत, झाकरपारा मंडल अध्यक्ष भगवानो बेहरा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शीतला पाण्डेय, महामंत्री योगनीता मांझी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता यादव, मंत्री सुरेश दंता सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय पथरिया में मेडिकल टीम ने किया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन

मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। आज के युवा देश का भविष्य है लेकिन नशे की लत इस भविष्य को अंधेरे में धकेल रही है इस चिंता को समझने हमारे कॉलेज के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है हमारी मेडिकल टीम ने वीर गाना अवंती बाई लोधी शासकीय महाविद्यालय पथरिया में नशा मुक्ति के बारे में सभी छात्र-छात्राओं को समझाइस दी महाविद्यालय की प्रिंसिपल डॉक्टर अंजली शर्मा जी ने कहा नशा नाश की जड़ है इसमें करियर नष्ट होता है और पूरे परिवार की बर्बादी होती है हमें इस नशे से दूर रहना और लोगों को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करना है ड्रग इंस्पेक्टर किरण सिंह ने कहा ड्रग्स गुटका सिगरेट शराब इन सभी से दूर रहना चाहिए इसमें शारीरिक मानसिक की हानि और सामाजिक बुराइयां होती है मेडिकल टीम के सदस्य राजेंद्र साहू जी ने कहा आज की नई पीढ़ी हमारे नशे की ओर ज्यादा बढ़ रही है।

हम सब मिलकर इस युवाओं को रोकना है यही युवा हमारे देश के भविष्य हैं प्रत्येक 10 लोगों को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करना है महाविद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र सिंह श्रीमती वंदना शर्मा श्रीवास्तव पंकज सिंह मेडिकल टीम के नगर अध्यक्ष मिंटू छाबड़ा सचिन मुकेश कश्यप कोषाध्यक्ष अवधेश राजपूत अभिराज जायसवाल राजेंद्र साहू उपस्थित है।

जर्जर भवन नहीं हटाया तो मकान मालिक स्वयं होंगे जिम्मेदार, नगर पालिका ने दी सख्त चेतावनी

-विकाश शुक्ला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। नगर पालिका टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित जर्जर एवं पुराने भवनों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ऐसे भवनों को चिन्हित किया गया है जो अपनी पुरानी एवं कमजोर संरचना के कारण नागरिकों के लिए खतरा बन सकते हैं। खतरा होने वाले शहर के सभी शासकीय एवं निजी भवनों का सर्वे किया किया जाकर नोटिस देने की तैयारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर में ऐसे भवन जो जर्जर व पुराने हो चुके है जिसका निरीक्षण नगर पालिका टीम द्वारा किया गया है निरीक्षण के दौरान कई भवनों की स्थिति अत्यंत दयनीय पाई गई। टीम द्वारा भवनों की दीवार, छत, संरचना एवं अन्य हिस्सों की स्थिति का मौके पर जायजा लिया गया। वर्षों पुराने होने के कारण कुछ भवनों की संरचना काफी कमजोर हो चुकी है, जिन्हें सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल डिस्मेंटल किया जाना आवश्यक है।

जर्जर भवनों के मालिकों को तत्काल हटाने के निर्देश

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने बताया कि नगर पालिका उपअभियंता शिवकुमार कुमार गर्ग, राजेश पाथर, राजस्व टीम बद्री राम साहू, लियाकत अली, चंद्रिका सिंह ठाकुर, सुरेश ठाकुर, सुनील कुर्रे द्वारा जर्जर भवनों का निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा मकान मालिकों को मौके पर ही निर्देशित किया गया कि वे अपने जर्जर एवं खतरनाक भवनों को तत्काल डिस्मेंटल कर हटाने की कार्रवाई करें।

साथ ही स्पष्ट रूप से कहा गया कि यदि भवन की जर्जर स्थिति के बावजूद उसे नहीं हटाया जाता है और भविष्य में उसके कारण किसी प्रकार की दुर्घटना, जनहानि अथवा संपत्ति की क्षति होती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित मकान मालिक की स्वयं की होगी। उन्होनें बताया कि पुराने, क्षतिग्रस्त एवं जर्जर भवनों का सर्वे कर खतरनाक भवनों को चिन्हांकित किया जा रहा है।

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, स्कूलों, बाजारों एवं व्यावसायिक परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू के निर्देशन में नगर पालिका द्वारा शहर में ऐसे सभी जर्जर एवं खतरनाक भवनों को चिन्हित किया गया है। उन्होनें बताया कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जर्जर भवनों के कारण किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि न हो, इसके लिए भवन मालिकों को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं तथा निर्देशों का पालन नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने कवर्धावासियों से अपील की है कि अपने आसपास के जर्जर भवनों की सूचना नगर पालिका कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर या उप अभियंता, राजस्व विभाग में सूचना दे सकते है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
द्वितीय आमंत्रण दिनांक 08.09.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा **"डी" एवं अधिक श्रेणी** के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 22.09.2026 तक है।

एन.आई.टी क्र/ निविदा क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 215 Tender No. 198998	धमतरी उपसंभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई कार्य।	रू. 110.00 लाख
NIT NO. 216 Tender No. 198999	धमतरी उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय भवनों का रंगाई पोताई कार्य।	रू. 50.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निधारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेग, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारों का मोबाईल नं. एवं ईमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)
आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

जी- 262703190/3 Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़

जो रूट का बड़ा कारनामा, तीसरे टेस्ट में उतरते ही स्टीव वॉ को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। पाकिस्तान के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में मैदान पर उतरते ही रूट ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव वॉ को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इस मुकाबले में उतरते ही रूट ने अपने टेस्ट मैचों की संख्या 169 कर ली। उन्होंने स्टीव वॉ के 168 टेस्ट मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। रूट अब इस सूची में सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन से पीछे हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 1989 से 2013 के बीच भारत के लिए कुल 200 टेस्ट मैच खेले। उनके बाद एंडरसन का नंबर आता है, जिन्होंने 188 टेस्ट मुकाबलों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया। एंडरसन ने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था। सबसे ज्यादा टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग भी 168 मैचों के साथ स्टीव वॉ के बराबर हैं। खास बात यह है कि टॉप-10 में जो रूट इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। हाल ही में जो रूट ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

इंग्लैंड का एजबेस्टन में खराब रिकॉर्ड

पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने अपनी पिछली दोनों टेस्ट मैचों वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया। 2010 के बाद यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में लगातार तीनों मुकाबलों में एक ही प्लेइंग इलेवन उतारी है। हालांकि, एजबेस्टन में इंग्लैंड का हालिया रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं रहा है। टीम ने इस मैदान पर अपने पिछले 6 टेस्ट में से चार गंवाए हैं। वहीं पाकिस्तान को एजबेस्टन में अब तक जीत नहीं मिली है। पाकिस्तान ने यहां आठ टेस्ट खेले हैं, जिनमें उसे पांच में हार मिली जबकि तीन मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

पाकिस्तान की प्लेइंग XI: अजान अवैस, सईम अयूब, अब्दुल्लाह शफीक, शान मसूद, बाबर आजम (कप्तान), सऊद शकील, गाजी घोरी (विकेटकीपर), मोहम्मद इमरान रंधावा, रजाउल्लाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली।

इंग्लैंड की प्लेइंग XI: बेन डकेट, एमिलियो गे, जॉर्डन कॉक्स, जो रूट (कप्तान), हैरी ब्रूक, डैन लॉरेंस, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), गस एटकिंसन, ओली रॉबिन्सन, जोफ्रा आर्चर, जोश टंग।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड बने कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की ए टीम सितंबर से लेकर अक्टूबर तक भारत के दौरे पर रहेगी। इस दौरान दो मल्टी डे और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज करीब है, इसलिए बीसीसीआई की ओर से इसके लिए स्क्वाड का ऐलान कर दिया गया है। इस बीच बड़ी बात ये है कि टीम में भारत के लिए इंटरनेशनल मैच खेल रहे बड़े बड़े खिलाड़ी भी शामिल किए गए हैं। वनडे मैचों के लिए टीम की कमान रुतुराज गायकवाड को दी गई है, वहीं मल्टी डे मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल कप्तान होंगे।

22 सितंबर से शुरू होगी सीरीज, दो मल्टी डे और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच सितंबर में दो मल्टी डे मैच खेले जाएंगे। मल्टी डे मैच का मतलब चार दिन के मैच से है। ये मैच टेस्ट फॉर्मेट पर खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मैच 22 से लेकर 25 सितंबर तक खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 29 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें टीम की कप्तानी देवदत्त पडिक्कल करेंगे, जो इस वक्त जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। इसके बाद तीन वनडे मैच होंगे, जो 50 ओवर के तो होंगे, लेकिन इन्हें इंटरनेशनल दर्जा हासिल नहीं होगा। सीरीज का पहला मैच छह अक्टूबर को होगा, दूसरा मैच 9 अक्टूबर को होगा, सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 11 अक्टूबर को खेला जाएगा। सभी मुकाबले पुदुचेरी में खेले जाएंगे।

हार्दिक पांड्या भी टीम में शामिल, लेकिन फिटनेस पर निर्भर करेगा खेलना

लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हार्दिक पांड्या को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि उनके नाम के आगे स्टार लगा है, यानी अगर वे फिट हुए तभी खेलेंगे। मल्टी डे मैचखें के लिए वैशाख टीम में हैं, लेकिन उनका भी मामला फिटनेस पर निर्भर करेगा। हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण लंबे समय से चोट के कारण बाहर हैं। देखना होगा कि क्या पांड्या तब तक ठीक होकर वापसी कर पाएंगे या नहीं।

भारत ए मल्टी-डे स्क्वाडः अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन, नचिकेत भूटे, वी वैशाख

भारत ए वन-डे स्क्वाडः प्रियांश आर्य, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र, निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अरशद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या*, प्रभसिमरन सिंह, गुरजपनीत सिंह, यश ठाकुर।

आईसीसी रैंकिंग में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों ने मचाया गदर, 65 और 61 स्थानों की छलांग लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी रैंकिंग में इस बार साउथ अफ्रीका के दो बल्लेबाजों ने गदर मचाया है। खास तौर पर कॉनर एस्टरहुइजन और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 60 से भी अधिक अंकों की छलांग मारने में कामयाबी हासिल की है। हालांकि टॉप 10 में बहुत ज्यादा बदलाव नजर नहीं आ रहे हैं। भारत के ईशान किशन टॉप की कुर्सी पर जमे हुए हैं। जहां उनको अभी कोई खतरा भी नहीं दिख रहा है। साउथ अफ्रीका के दो बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए आईसीसी रैंकिंग में जबरदस्त उछाल हासिल किया है। जहां एक ओर दाएं हाथ के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने 65 स्थानों की छलांग मारी है, वहीं लुआन-ड्रे प्रीटोरियस 61 स्थान आगे निकल गए हैं। हालांकि उनका नाम अभी टॉप 10 में नहीं आ पाया है। इन दोनों बल्लेबाजों ने ट्राई सीरीज के दौरान कई बेहतरीन पारियां खेली थीं। इसका फायदा उन्हें मिला है।

कॉनर एस्टरहुइजन ने पहले नामीबिया के खिलाफ 88 रनों की पारी खेली और इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ 33 रन बनाए। वे 65 स्थान की उछाल के साथ सीधे 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी मौजूदा रैंकिंग 627 हो गई है। कॉनर नरे अब तक केवल 10 ही टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इसमें वे तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। बात लुआन-ड्रे प्रीटोरियस की करें तो उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 22 रन बनाए। इसके बाद अगले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ 94 रनों की पारी खेली। इसके बाद नामीबिया के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 101 रन बना दिए। यही वजह रही कि वे 61 स्थानों की छलांग के साथ 43वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस बीच भारत के ईशान किशन 910 की रेटिंग के साथ नंबर एक पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 की रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं। साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस का बल्ला इस दौरान नहीं चला तो वे एक स्थान नीचे यानी पांचवें नंबर पर चले गए हैं, इसका फायदा उठाकर इंग्लैंड के फिल साल्ट एक स्थान आगे नंबर 4 पर पहुंच गए हैं।

दोहरा शतक ठोकने के बाद भी नहीं रुके ईशान किशन

दूसरी पारी में तोड़ा 16 साल पुराना कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशान किशन इस वक्त जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने पहली पारी में तो दोहरा शतक ठोका ही था, दूसरी पारी में भी उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी की। एक वक्त तो लग रहा था कि वे एक और शतक लगा देंगे, वे इससे तो चूक गए, लेकिन एक बड़ा कीर्तिमान उन्होंने जरूर अपने नाम कर लिया है। उन्होंने अब से करीब 16 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है।

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईशान किशन ने पहली पारी में 270 रनों की जबरदस्त पारी खेली थी। इसी पारी की बदौलत ईस्ट जोन की टीम ने 708 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में साउथ जोन की पहली पारी 336 रनों पर ही सिमट गई। हालांकि ईशान चाहते तो साउथ जोन को फॉलोआन दे सकते थे, लेकिन उन्होंने खुद बैटिंग का फैसला किया। दूसरी पारी में वैभव सूर्यवंशी जल्दी आउट हो गए, लेकिन जैसे ही ईशान किशन आए, मैच में फिर से जान सी आ गई। उन्होंने तेजी के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया और इसके बाद शतक की ओर बढ़ गए। हालांकि वहां तक पहुंचने से पहले ही वे आउट हो गए।

फाइनल की दूसरी पारी में ईशान ने बनाए 80 रन

दूसरी पारी में ईशान किशन ने 80 रन बनाने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने 98 बॉल का सामना किया और इस दौरान नौ चौके के साथ तीन छक्के भी लगाए। पहली पारी में 270 और दूसरी में 80 रन बनाने के साथ ही ईशान ने इस मैच में 350 रन बना लिए हैं। अब वे दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। हम यहां दोनों पारियों के स्कोर को मिलाकर बात कर रहे हैं। इससे पहले फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक के नाम था। दिनेश कार्तिक ने साल 2010 में साउथ जोन की ओर से खेलते हुए वेस्ट जोन के खिलाफ 333 रन बनाए थे। उन्होंने मैच की पहली पारी में 183 रन बनाए और इसके बाद जब दूसरी पारी में उतरे तो 150 रन बनाए थे। करीब 16 साल बाद अब जाकर दिनेश का रिकॉर्ड ईशान ने तोड़ा है।

व्यापार

शेयर बाजार में भारी गिरावट का सिलसिला जारी, आईटी स्टॉक्स क्रैश

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में जारी गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बुधवार को लगातार तीसरे दिन बाजार ने लाल निशान में कारोबार शुरू किया। आज सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुला, जबकि निफ्टी 50 ने भी 0.48 प्रतिशत के नुकसान के साथ ट्रेडिंग शुरू की। हफ्ते के तीसरे ट्रेडिंग सेशन में भी आईटी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस जैसी दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयर बड़ी गिरावट के साथ खुले।

सेंसेक्स ने 361.36 और निफ्टी ने 113.05 अंकों की गिरावट के साथ शुरू किया कारोबार

हफ्ते के तीसरे ट्रेडिंग सेशन में बीएसई सेंसेक्स 361.36 अंकों (0.48%) की गिरावट के साथ 75,216.22 अंकों पर खुला। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स आज 113.05 अंकों (0.48 प्रतिशत) गिरकर 23,522.05 अंकों पर खुला। बताते चलें कि मंगलवार को भी शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी।

सेंसेक्स के 30 में से 20 कंपनियों के शेयर लाल निशान में खुले

बुधवार को सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त लेकर हरे निशान में खुले और बाकी की सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 22 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ हरे निशान में खुले और बाकी की सभी 28 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले।

इन्फोसिस के शेयर में भयावह गिरावट

हफ्ते के तीसरे दिन सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल दिग्गज फार्मा कंपनी सन फार्मा के शेयर सबसे ज्यादा 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ खुले। जबकि, देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर ने आज सबसे ज्यादा 3.60 प्रतिशत के नुकसान के साथ कारोबार शुरू किया।

आईटी स्टॉक्स क्रैश

सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज एचसीएल टेक के शेयर 3.59 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.07 प्रतिशत, टीसीएस 1.89 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.23 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.12 प्रतिशत, इंडिगो 1.08 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 0.76 प्रतिशत, एसबीआई 0.69 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.69 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.57 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 0.55 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.46 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.40 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.38 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.33 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 0.23 प्रतिशत, पावर ग्रिड 0.23 प्रतिशत, टाटा स्टील 0.22 प्रतिशत और मारुति सुजुकी के शेयर 0.19 प्रतिशत के नुकसान के साथ खुले।

बढ़त लेकर खुले इन कंपनियों के शेयर

आज कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों ने 0.65 प्रतिशत, ट्रेंट 0.53 प्रतिशत, बीईएल 0.48 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 0.45 प्रतिशत, एनटीपीसी 0.39 प्रतिशत, एटरनल 0.33 प्रतिशत, टाइटन 0.25 प्रतिशत, आईटीसी 0.21 प्रतिशत और एलएंडटी के शेयरों ने 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार शुरू किया।

100 डॉलर के करीब पहुंची कच्चे तेल की कीमतें, 3 महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बुधवार को कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई। बुधवार को WTI Crude का भाव लगभग 1.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 94.21 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। जबकि, Brent Crude का दाम भी लगभग 1.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 99.30 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

3 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची कच्चे तेल की कीमतें

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि बुधवार को कच्चे तेल की कीमतें 3 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। ऐसा तब हुआ जब अमेरिकी सेना ने कच्चे तेल के एक्सपोर्ट के मुख्य सेंटर- खार्ग द्वीप के पास ईरान के कई टैंकरों पर हमला किया। अमेरिका के हमलों के बाद पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया और ग्लोबल सप्लाई में और रुकावट आने की चिंता भी पैदा हो गई।

ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में जॉर्डन की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं और कुवैत तथा बहरीन के बंदरगाहों के पास मौजूद जहाजों को तुरंत अपने जहाज छोड़ने की चेतावनी दी। ईरान के समर्थन वाले हूथी विद्रोहियों ने दक्षिणी सऊदी अरब के एनर्जी इंफ्रा पर भी हमला किया, जिसमें रोजाना 4,00,000 बैरल की क्षमता वाली जाजान रिफाइनरी भी शामिल है।

दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-हावड़ा, मुंबई-चेन्नई समेत 7 बड़े रेल रूट होंगे फोरलेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे को आधुनिक बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। देश के सबसे व्यस्त रेल रूट्स पर ट्रेनों की बढ़ती संख्या और यातायात के दबाव को देखते हुए अब सात हाई डेंसिटी नेटवर्क (HDN) कॉरिडोर को फोरलेन के जरिए मजबूत किया जाएगा। केंद्रीय कैबिनेट ने इन अहम रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इससे आने वाले समय में ट्रेनों की क्षमता बढ़ाने और सफर को ज्यादा सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

कैबिनेट ब्रीफिंग में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेलवे के सात हाई डेंसिटी कॉरिडोर को फोरलेन करने और मौजूदा नेटवर्क को क्वाड्रुपल करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इनमें नीचे बताए गए रूट शामिल हैं-

इन शहरों और राज्यों को मिलेगा फायदा

इन कॉरिडोर से देश के कई बड़े शहर जुड़ते हैं। दिल्ली-हावड़ा रूट पर कानपुर, प्रयागराज, पं. दीनदयाल उपाध्याय, पटना और आसनसोल जैसे प्रमुख स्टेशन आते हैं। वहीं दिल्ली-मुंबई रूट पर मथुरा, कोटा, रतलाम, वडोदरा और सूरत जैसे शहर जुड़े हैं। दिल्ली-चेन्नई रूट आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, नागपुर और विजयवाड़ा जैसे शहरों को जोड़ता है। मुंबई-चेन्नई रूट में पुणे समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।

8 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

कैबिनेट ने अलग-अलग राज्यों में 8 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इनमें 3 प्रोजेक्ट पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में होंगे। इनसे रेलवे नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपये है और इन्हें 2029-30 तक पूरा करने की योजना है। इनमें खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागडेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं।

दक्षिण भारत में भी बढ़ेगी रेलवे की क्षमता

कैबिनेट ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में 5 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को भी मंजूरी दी है। इनकी कुल लंबाई करीब 540 किलोमीटर होगी और अनुमानित लागत 10,021 करोड़ रुपये है। इन्हें भी 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

अमेरिका ने कनाडा के डेयरी प्रोडक्ट्स, शराब और मोटरसाइकिलों पर लगाया बैन- दोनों देशों के बीच गहराया ट्रेड वॉर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, ज्यादातर शराब और मोटरसाइकिलों पर बैन लगाने की घोषणा की है। वाइट हाउस ने मंगलवार को बताया कि ये बैन 3 हफ्तों में लागू होगा। इससे पहले, मंगलवार को कनाडा ने अमेरिका से इंपोर्ट होने वाले 20 अरब डॉलर के सामान पर जवाबी टैरिफ लगा दिया था। इन कदमों से दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर और तेज हो गया है।

कनाडा के जवाबी टैरिफ लागू होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के सामानों को अमेरिका की बड़ी और लॉन्ग टर्म सरकारी खरीद से बाहर करने की दिशा में मंगलवार को कदम उठाया। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी जनरल सर्विसेस एडमिनिस्ट्रेशन को निर्देश दिया कि वो कनाडा के प्रोडक्ट्स को इन सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के लिए तब तक अयोग्य घोषित करे जब तक कनाडा, अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए "पूर्ण एवं उचित पारस्परिकता" की अनुमति नहीं देता।

वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने की कोशिशों में तेजी लाने का संकल्प जताया। मार्क कार्नी ने इससे पहले, मंगलवार को कहा था कि कनाडा की रणनीति ज्यादा आत्मनिर्भर बनने की है। उन्होंने कहा, "ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी देश हमें बंधक न बना सके और हम अपनी जिंदगी अपनी इच्छा के मुताबिक जी सकें।"

कनाडा के एक अधिकारी ने बताया कि कनाडा यूरोपियन यूनियन के साथ ऐसे संबंधों की संभावनाएं तलाश रहा है, जो सदस्यता से थोड़ा कम स्तर के हो सकते हैं। इन विकल्पों में मौजूदा समझौतों का विस्तार, नई संधि पर बातचीत या सहयोग के अन्य रूप विकसित करना शामिल हो सकता है।

अगले हफ्ते फ्रांस जाएंगे मार्क कार्नी

अधिकारी ने कहा कि कनाडा पहले से ही प्रांतों, क्षेत्रों और श्रमिक संगठनों से इस बारे में विचार-विमर्श कर रहा है कि यूरोपियन यूनियन के साथ गहरे संबंध किस रूप में हो सकते हैं, लेकिन अभी किसी मॉडल का चयन नहीं किया गया है। कार्नी अगले हफ्ते फ्रांस के स्ट्रासबर्ग जाएंगे। वहां वो 16 सितंबर को यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के यूरोपियन यूनियन की स्थिति पर संबोधन में शामिल होंगे और अगले दिन यूरोपीय संसद को संबोधित करेंगे।

दुनिया के सबसे करीबी देशों के संबंधों में खटास

इस विवाद ने दुनिया के सबसे करीबी संबंधों में से एक को झकझोर दिया है। दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं गहराई से एक-दूसरे से जुड़ी हैं और रक्षा तथा सुरक्षा के क्षेत्र में भी उनके करीबी संबंध हैं। इसके बावजूद ट्रंप ने कनाडा के सामान पर कई टैरिफ लगाए हैं, जबकि अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने उत्तर अमेरिकी व्यापार समझौते को लेकर बातचीत की थी और बार-बार उसकी सराहना की थी। इनमें से कई टैरिफ उस समझौते का भी उल्लंघन करते हैं।

विजय माल्या ने खुद को बताया बेगुनाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने खुद को बेगुनाह बताया है और दावा किया है कि उन्हें कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोका गया है। विजय माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस बारे में कई पोस्ट किए। अक्टूबर 2025 में, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा को बताया था कि 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018' (FEOA) के तहत कुल 15 लोगों को 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी' (FEO) घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस लिस्ट में विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि, माल्या का अब दावा है कि उनका ब्रिटेन में बने रहना भारत आने पर लगी कानूनी रोक का हिस्सा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "जो लोग कहते हैं कि मैं भारत आने से इनकार करने वाला भगोड़ा हूं, उन्हें पता होना चाहिए कि मैं 1992 से यूनाइटेड किंगडम का स्थायी निवासी हूं और फिलहाल कानूनी तौर पर मुझे ये देश छोड़ने से रोका गया है।"

तीज महोत्सव में रंगारंग नृत्य व तीज सुंदरी प्रतियोगिता सम्पन्न

रायपुर ■ दैनन्दिनी

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छ.ग. एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छ.ग. द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रदेश की विप्र महिलाओं/युवतियों को पूर्णतः पारिवारिक, सामाजिक माहौल में मंच प्रदान करने तीज महोत्सव पर रंगारंग फोक व क्लासिकल नृत्य एवं तीज सुंदरी प्रतियोगिता का आयोजन वृन्दावन हॉल, सिविल लाईन में किया गया. इस कार्यक्रम के अतिथि श्री पुरन्दर मिश्रा-विधायक रायपुर उत्तर, श्रीमती दीप्ति दुबे-वरिष्ठ समाजसेवी, श्रीमती शताब्दी पाण्डेय-प्रदेश प्रवक्ता भाजपा थे एवं निर्णायक डॉ. मीनाक्षी बाजपेयी, श्रीमती उषा शर्मा, नृत्य शिक्षिका थी.

महिला अध्यक्ष- नमिता शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष- अरविन्द ओझा ने बताया कि तीज महोत्सव के फोक व क्लासिकल नृत्य प्रतियोगिता में एकल नृत्य में प्रथम - सरोज शर्मा, द्वितीय - सोनम राय, समूह नृत्य में प्रथम - वंशिका ठाकुर - स्तुति शुक्ला एवं द्वितीय - सीमा - अभिलाषा, समूह नृत्य में प्रथम - महिषासुर मर्दनी ग्रुप एवं द्वितीय - पंजाबी वुमेन वेलफेयर सोसायटी ग्रुप रहा. तीज सुन्दरी प्रतियोगिता में शामिल सभी महिलाओं ने रेम्पवाक कर निर्णायकों के प्रश्नों का उत्तर दिया. इस तीज सुन्दरी प्रतियोगिता में विजेतग स्निग्धा शर्मा एवं उप विजेता जसविंदर कौर रही. इन विजेता व उपविजेता को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को सम्मान पत्र प्रदान किया गया. तीज महोत्सव को सफल बनाने में महिला अध्यक्ष- नमिता शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष- अरविन्द ओझा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष- गुणानिधि मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव-सुरेश मिश्रा, प्रदेश महासचिव-डॉ. सुनील ओझा, प्रदेश सलाहकार- रज्जन अग्निहोत्री, सांस्कृतिक सचिव-प्रीति मिश्रा, महिला महासचिव-सुमन मिश्रा, महिला उपाध्यक्ष- बबिता मिश्रा, महिला सचिव-वीणा मिश्रा, मीडिया प्रभारी- सुमन पाण्डेय, महिला सचिव- अनिता राव, वीणा ठाकुर की प्रमुख भूमिका रही.

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नितिन कुमार झा- संभागीय अध्यक्ष, अरूण शुक्ला- पूर्व अध्यक्ष कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज, लेखक व्यंग्यकार स्नेहलता पाठक, राजेन्द्र दुबे-अध्यक्ष सनाढ्य ब्राह्मण समाज, योगेश तिवारी- अखंड ब्राह्मण समाज, सुरभि शर्मा, राघवेंद्र पाठक, सतीश शर्मा, रवि शर्मा, उमेश शर्मा, त्रिभुवननाथ तिवारी, अखिलेश्वरी शुक्ला, सुनीता शर्मा, विद्या भट्ट, स्वाती मिश्रा, राधा तिवारी, कल्पना मिश्रा, अभिलाषा - रमाकांत दुबे, गिरजाशंकर दीक्षित, नीलिमा मिश्रा, शोभिता पाठक एवं बड़ी संख्या में विप्र महिलाएं उपस्थित थी. कार्यक्रम का मंच संचालन नमिता शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रीति मिश्रा ने किया.

समय का घोड़ा।

देखो,

देखो, कैसे भाग रहा है
समय का घोड़ा।
उसकी है चाल निराली,
उस पर नहीं है कोई लगाम।
देता है कहीं खुशी,
कही पर ग़म की थाली।
लगाता है कोई खुशी के ठहाके,
तो
कोई आंसू बहाता है।
दिन हो या रात,
ठंडी हो या बरसात,
केवल दौड़ लगाना उसका काम।
ज़िन्दगी हो या मौत,
समय का घोड़ा
दौड़ लगाता मिलेगा सबके साथ।
वह चाहे तो करदे अंधियारा,
या
अंधियारे में दीप जला दे।

संभव को असंभव,
असंभव को संभव बनाना केवल उसके हाथ।
समय का घोड़ा।
सदा चलता रहे तू ऐसे ही सरपट-सरपट।
रंक को राजा,
राजा को रंक बना दे।
सज्जन को दुरजन,
ज्ञानि को अपराधी बनादे।
सब कुछ संभव है तेरे हाथ,
एक पल भी रुके नहीं,
हर पल दौड़ लगाना तेरा काम।
समय का घोड़ा तेरा नाम,
यूहीं चलता रहे तू सुबह-शाम।।

जितेंद्र शुक्ला।

जनदर्शन में ब्रेकर, आवास से लेकर फसल बीमा तक की फरियाद लेकर पहुंचे लोग

धमतरी (वीएनएस)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के समक्ष रखीं। कलेक्टर ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर प्राथमिकता के साथ समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में ग्राम पंचायत तेलीनसत्ती के ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर आवश्यक स्थान पर ब्रेकर निर्माण तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आवास स्वीकृत किए जाने की मांग रखी। डॉ. शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शाला समिति के अध्यक्ष ने वाणिज्य विषय के व्याख्याता की पदस्थापना में संशोधन के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। राजीव कॉलोनी मंडला की सुमन झारिया ने अपनी पुत्री की कस्टडी प्राप्त करने के संबंध में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर को आवेदन सौंपा। तर्रागोंदी के प्रभुराम साहू ने न्याय नहीं मिलने की शिकायत रखते हुए इच्छा मृत्यु की गुहार लगाई। कलेक्टर ने ऐसे संवेदनशील प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तथ्यों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। खरेंगा के यशवंत कुमार साहू ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगाए गए सोलर इन्वर्टर में खराबी तथा कंपनी में शिकायत के बावजूद सुधार नहीं होने की समस्या बताई।

पक्के आवास से जीवन में आया सुरक्षा और सम्मान का बदलाव

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कभी मिट्टी की दीवारों और खपरैल की छत के नीचे परिवार के साथ जिंदगी गुजारने वाले सुरषोत्तम राठिया के लिए पक्का मकान किसी सपने से कम नहीं था। सीमित आमदनी के चलते वे चाहकर भी अपने परिवार के लिए सुरक्षित और मजबूत घर नहीं बना पा रहे थे। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर आई। शासन की सहायता और अपनी मेहनत से सुरषोत्तम ने अपने सपने को हकीकत में बदला और आज उनका परिवार पक्की छत के नीचे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम छाल निवासी सुरषोत्तम राठिया का आवास स्वीकृत हुआ था। योजना का लाभ मिलने से पहले वे अपने परिवार के साथ मिट्टी से बने कच्चे मकान में

खपरैल की छत के नीचे रहते थे। वे बरसात के मौसम में धान की खेती करते हैं और वर्ष के बाकी समय मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। सीमित आय के कारण उनके लिए पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पा रहा था। आवास स्वीकृत होने के बाद सुरषोत्तम ने शासन से प्राप्त सहायता राशि के साथ अपनी बचत का उपयोग कर मकान का निर्माण शुरू किया। उन्होंने स्वयं मेहनत करते हुए निर्धारित मापदंडों के अनुसार अपने आवास को तैयार किया। लगातार प्रयास के बाद उनका सुंदर और मजबूत पक्का मकान बनकर तैयार हो गया। आज सुरषोत्तम का परिवार बारिश, गर्मी और अन्य मौसम की परेशानियों से काफी हद तक सुरक्षित है। सुरषोत्तम के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान बनाने की योजना नहीं, बल्कि परिवार के सुरक्षित और बेहतर भविष्य की मजबूत नींव साबित हुई है।

'छाल ग्राम पंचायत में आवास निर्माण को मिली गति'

धरमजयगढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत छाल प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सफल क्रियान्वयन का उदाहरण बनी है। पीएम आवास के तहत ग्राम पंचायत छाल में कुल 113 आवास स्वीकृत किए गए। इनमें से 94 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 19 आवास निर्माणाधीन हैं। वर्तमान में 46 आवास स्वीकृत हैं। आवास निर्माण को गति देने के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक द्वारा हितग्राहियों को लगातार प्रेरित किया गया तथा आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया।

जिलाधीश से कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के पदाधिकारियों की सौजन्य भेंट

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला गरियाबंद के पदाधिकारियों ने जिलाधीश गरियाबंद से सौजन्य भेंट कर जिले के कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान विशेष रूप से लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण, कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान तथा विभागीय स्तर पर समन्वय को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए परामर्शदात्री बैठक आयोजित करने का आग्रह जिलाधीश के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से ऐसी बैठक होने से विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष सीधे रखा जा सकेगा और उनके समाधान की दिशा में प्रभावी पहल हो सकेगी। सौजन्य मुलाकात में कर्मचारियों से संबंधित अन्य मुद्दों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने जिले में अधिकारी-कर्मचारी हित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ निराकृत किए जाने की अपेक्षा जताई। जिलाधीश की ओर से भी कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर सकारात्मक रुख व्यक्त किया गया। इस अवसर पर एमआर खान, जिला संयोजक अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन गरियाबंद, बसंत मिश्रा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ जिला गरियाबंद, सुनील कुमार यादव, सचिव अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन जिला गरियाबंद, सुदामा ठाकुर, प्रांतीय महासचिव छत्तीसगढ़ लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ तथा श्रीभगवान चंद्राकर, अभियंता संघ जिला गरियाबंद उपस्थित रहे। मुलाकात को कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नगरवासियों की मांग पर पैरी नगर के प्राचीन शिव मंदिर पहुंचे विधायक रोहित साहू, जीर्णोद्धार का दिलाया भरोसा

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। राजिम विधायक रोहित साहू अपने गरियाबंद प्रवास के दौरान नगरवासियों की मांग पर पैरी नगर स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुंचे, उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, महामंत्री आशीष शर्मा, पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, भाजपा मीडिया प्रभारी राधेश्याम सोनवानी, भाजपा मंत्री मनीष सिंहा, मंडल अध्यक्षद्वय सुमित पारख, धनराज विश्वकर्मा, एल्डरमैन रितेश यादव, पार्षद रेणुका साहू, पुष्पा साहू भी मौजूद थे।

विधायक श्री साहू ने भगवान शिव के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर पहुंचने पर वार्डवासियों ने तिलक व पुष्प गुच्छ भेंटकर विधायक का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता एस.के. बर्मन सहित विभाग के कर्मचारी एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

वार्डवासियों ने विधायक रोहित साहू को विशेष रूप से लंबे समय से जर्जर हो चुके प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग प्रमुखता से रखी। वार्डवासियों ने बताया कि मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां रोजाना श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, लेकिन मंदिर की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसके संरक्षण और जीर्णोद्धार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वार्डवासियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक रोहित साहू ने मंदिर का अवलोकन किया और इसके जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक पहल करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर के विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

विधायक श्री साहू ने इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने लोगों से योजनाओं की जानकारी लेकर पात्र हितग्राहियों तक उनका लाभ पहुंचाने में सहयोग करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने आगामी 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा, समर्पण और जनकल्याण के भाव के साथ भव्य रूप से मनाने का भी आह्वान किया। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा उनके जन्मदिन के अवसर पर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए।

इस मौके पर वार्डवासियों में सेवानिवृत्त एवं मंदिर पुजारी के. एल. उपाध्याय, आर.के. तिवारी, योगेंद्र यादव, अतुल उपाध्याय, रामचरण यादव, भाजपा पदाधिकारी पदूलोचन जगत, भगवानो बेहरा, शीतला पाण्डेय, योगनीता मांझी, सुनीता यादव, सुरेश दंता, रमेश साहू, वेद साहू, रौनक यादव सहित महिला मानस मंडली की सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

धमतरी में पर्यटन को मिलेगा नया मुकाम कैंपिंग से लग्जरी होमस्टे तक बनेगा प्लान

– एकान्त प्रिय चौहान

धमतरी, 09 सितंबर (वीएनएस)। धमतरी की प्राकृतिक खूबसूरती, जलाशयों और पहाड़ियों से लेकर मंदिरों, गांधीवादी इतिहास और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत तक—पर्यटन की बेशुमार संभावनाओं को अब व्यवस्थित रूप से विकसित करने की तैयारी है। जिला प्रशासन ने पर्यटन को केवल घूमने-फिरने तक सीमित न रखकर इसे रोजगार, स्थानीय कारोबार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

इसी सिलसिले में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने होटल एवं टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ बैठक कर जिले में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार पर मंथन किया। बैठक में होटल, रिसॉर्ट और टूर संचालन से जुड़े लोगों ने अपने अनुभव, समस्याएं और नए पर्यटन प्रोजेक्ट की संभावनाएं साझा कीं।

700 साल पुराने मंदिरों से गांधी मंदिर तक—धमतरी की विरासत को ब्रांड बनाने पर जोर

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि धमतरी शहर और जिले की पहचान केवल प्राकृतिक पर्यटन तक सीमित नहीं है। शहर में ही सात-आठ प्रमुख मंदिर हैं, जिनमें कुछ मंदिर करीब 700 वर्ष पुराने हैं। रुद्रेश्वर मंदिर, कुलेश्वर महादेव मंदिर, राम टेकरी की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर, गांधीजी के नेतृत्व में हुए कंडेल और जंगल सत्याग्रह तथा प्रदेश का एकमात्र गांधी मंदिर धमतरी को

ऑनलाइन बुकिंग और सोशल मीडिया प्रमोशन पर जोर

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्यटन का भी महत्वपूर्ण केंद्र बनाते हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी स्थलों को जोड़कर धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक और साहसिक पर्यटन के अलग-अलग सर्किट विकसित किए जा सकते हैं।

गंगरेल के बाद रुद्री में कयाकिंग, अब कैंपिंग पर नजर

कलेक्टर ने बताया कि पिछले पौने तीन वर्षों में जिले के पर्यटन स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं, पहुंच मार्ग, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के साथ जल एवं साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए हैं।

गंगरेल में जल पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ रुद्री डैम में कयाकिंग अकादमी जैसी पहल पर्यटन के नए अवसर खोल रही है।

उन्होंने कहा कि कैंपिंग एरिया विकसित होने से पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इसके लिए करीब एक-एकड़ क्षेत्र उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाएगी। हरफर और तिर्रा में भी कैंपिंग के लिए स्थल विकसित करने पर सहमति बनी।

मोहेरा में ट्रैकिंग और कैंपिंग की संभावनाएं तलाशने के निर्देश

कलेक्टर ने होटल एवं रिसॉर्ट संचालकों से पर्यटन क्षेत्र में नए प्रयोग और निवेश के सुझाव मांगे। उन्होंने जिले के सभी टूर ऑपरेटर्स को प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर वहां की संभावनाओं को समझने और नए पर्यटन पैकेज तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि महानदी के किनारे बसे मोहेरा गांव में भी ट्रैकिंग और कैंपिंग की संभावनाएं तलाश की जा सकती हैं। पर्यटन स्थलों के आसपास स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यवसाय के अवसर तैयार करने पर भी जोर दिया गया।

रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तक पहुंचेगी धमतरी की पर्यटन पहचान

बैठक में पर्यटन की डिजिटल ब्रांडिंग को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि जिले के पर्यटन स्थलों की जानकारी होटल, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट जैसे प्रमुख स्थानों पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि बाहर से आने वाले लोगों को धमतरी के पर्यटन स्थलों की जानकारी आसानी से मिल सके।

उन्होंने जिले के चुनिंदा स्थानों पर लग्जरी होमस्टे विकसित करने का सुझाव भी दिया। इसके साथ ही होटल और रिसॉर्ट का सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार तथा पर्यटकों के लिए ऑनलाइन होटल बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

प्रशासन ने कहा—पर्यटन प्रस्ताव आए, हर स्तर पर मिलेगी मदद

कलेक्टर श्री मिश्रा ने होटल एवं टूर ऑपरेटर्स से कहा कि पर्यटन क्षेत्र में नए प्रोजेक्ट या गतिविधियों से संबंधित कोई भी प्रस्ताव जिला प्रशासन के समक्ष लाया जाता है तो उसे आगे बढ़ाने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन और निजी क्षेत्र की साझेदारी से धमतरी को ऐसा पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है, जहां पर्यटक सिर्फ आएं नहीं, बल्कि यहां रुकें, स्थानीय उत्पादों और सेवाओं का उपयोग करें और बेहतर अनुभव लेकर लौटें।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने ली वर्चुअल बैठक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जिले के प्रभारी मंत्री एवं कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले "सेवा संकल्प अभियान" की तैयारियों को लेकर आज वर्चुअल बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिले में अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, पूर्व संसदीय सचिव एवं जिला अध्यक्ष चम्पा देवी पावले, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव, जिला पंचायत सदस्य उजित नारायण, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा खलखो सहित समस्त एसडीएम, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि एवं संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने "सेवा संकल्प अभियान" के तहत 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी लेते हुए नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत तथा ग्राम पंचायत स्तर तक अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य सेवा, सहभागिता और जनभागीदारी को मजबूत करते हुए अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रमों से जोड़ना है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम आयोजित करने तथा सभी संबंधित विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही त्योहारों के दौरान अलग से समन्वय बनाकर कार्यक्रमों का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जिले में अभियान के अंतर्गत की जा रही तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि 17 सितम्बर को "आशीर्वाद का दिया" कार्यक्रम के तहत जमीनी स्तर पर तथा हर घर में दीप प्रज्वलन का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इसी क्रम में "25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत" कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय स्तर पर किया जाएगा, जिसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। "नमो सेवा गाथा" के अंतर्गत नुक्कड़ नाटकों का आयोजन ग्राम, नगर एवं विभिन्न संस्थानों में किया जाएगा, जिसके माध्यम से जनसेवा और सामाजिक सहभागिता का संदेश आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि 25 सितम्बर को "आंगन का उत्सव" कार्यक्रम जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बच्चों के वजन, टीकाकरण सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाएगी। "कहानी का बदलाव" कार्यक्रम जिला स्तर के साथ-साथ जिले के प्रत्येक क्लस्टर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें सकारात्मक बदलाव और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाया जाएगा।

इसी तरह "विकसित भारत संकल्प यात्रा" के तहत तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। "सेवा ज्योति अभियान" के अंतर्गत ग्राम स्तर से जिला स्तर तक सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। "सेवा मेरा योगदान" के माध्यम से नागरिकों एवं संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। वहीं "सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार" के माध्यम से शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।अभियान के दौरान निर्धारित दिवस पर "रंगोली राष्ट्र" कार्यक्रम के तहत हर घर तथा चयनित नगरों में रंगोली बनाई जाएगी। राष्ट्रीय इनोवेशन चौलेंज के अंतर्गत पांच क्षेत्रीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं अभियान के समापन अवसर पर 17 अक्टूबर को "जनसेवक महाकुंभ-पंचायत से पार्लियामेंट" का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि सभी कार्यक्रमों को ग्राम स्तर से जिला स्तर तक व्यापक रूप से आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान लेखन, भाषण, नाटक, सफलता की कहानी, सेवा ज्योति, स्वच्छता अभियान, जिला स्तरीय कार्यक्रम, समिति सदस्यों की सहभागिता, जिले की कार्यशाला तथा मंडल स्तर की कार्यशाला सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने स्तर पर कार्यक्रमों की तैयारी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी मंत्री ने अभियान को जनभागीदारी और आपसी समन्वय के साथ सफल बनाने पर विशेष जोर देते हुए सभी से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

हड़ताल के ऐलान के बाद बस संचालकों की हुई मंत्री कश्यप के साथ बैठक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

किराए में बढ़ोतरी समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर बस ऑनर फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ ने 22 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है. इस बीच फेडरेशन पदाधिकारियों और बस संचालकों की बुधवार को मंत्री केदार कश्यप के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई. बैठक में यात्रियों की सुरक्षा सहित परिवहन क्षेत्र से जुड़े की विषयों पर चर्चा की गई. परिवहन मंत्री कश्यप ने फेडरेशन के प्रतिनिधियों द्वारा रखी गई प्रत्येक मांग और व्यावहारिक समस्या को गंभीरता से सुना. उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बस संचालकों की समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जाए. यात्रियों को सुरक्षित, सुलभ और सुविधाजनक परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं.

यात्री किराए बढ़ाने की मांग पर जल्द होगा समाधान-बैठक में फेडरेशन ने साधारण यात्री बसों के किराए में 75 प्रतिशत और डीलक्स बसों के किराए में 30 प्रतिशत वृद्धि करने की मांग रखी. इसके साथ ही 11 मार्च 2025 को जारी संशोधित अधिसूचना को निरस्त करने का विषय भी मंत्री के समक्ष रखा गया. परिवहन मंत्री कश्यप ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त

किया कि यात्री किराए से जुड़े विषय का जल्द समाधान किया जाएगा. उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी करते हुए इस विषय पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए.

स्लीपर बसों के टैक्स पर किया जा रहा विचार-फेडरेशन ने स्लीपर बसों में एक स्लीपर के बदले दो सीटों का टैक्स लेने की वर्तमान व्यवस्था को समाप्त कर एक स्लीपर पर एक सीट के बराबर टैक्स निर्धारित करने की मांग रखी. बस संचालकों ने इस व्यवस्था से होने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों की जानकारी भी मंत्री को दी.मंत्री कश्यप ने कहा कि इस मांग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है. उन्होंने अधिकारियों को इसके व्यावहारिक, तकनीकी और राजस्व संबंधी सभी पहलुओं का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा.

समय-सारिणी व्यवस्थित करने के निर्देश-स्टेज कैरिज बसों के बीच समय-अंतराल निर्धारित करने के विषय पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई. फेडरेशन ने मुख्य मार्गों पर बसों के बीच 10 मिनट और ग्रामीण मार्गों पर 30 मिनट का अंतर निर्धारित करने का सुझाव दिया. परिवहन मंत्री ने कहा कि बसों की समय-सारिणी ऐसी होनी चाहिए, जिससे यात्रियों को पर्याप्त परिवहन सुविधा मिले और बस संचालकों के बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा की स्थिति भी उत्पन्न न हो. उन्होंने यात्रियों की सुविधा और बसों के सुव्यवस्थित संचालन को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया.

परमिट सहित अधिकाधिक सेवाएं होंगी ऑनलाइन-बैठक में स्टेज कैरिज वाली सभी यात्री बसों के लिए पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन परमिट जारी करने की सुविधा का विषय भी रखा गया.

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सभी बसों के लिए ऑनलाइन परमिट जारी किए जा रहे हैं. परिवहन मंत्री कश्यप ने परमिट सहित परिवहन विभाग की अधिकाधिक सेवाओं को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि परिवहन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जाए, ताकि बस संचालकों एवं आम नागरिकों को विभागीय कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें. ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाया जाए.

महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान-परिवहन मंत्री ने बसों में सफर करने वाली महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि बस में पहली अथवा अंतिम सवारी महिला होने की स्थिति में वाहन की ऑनलाइन ट्रैकिंग की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. महिला यात्रियों के सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचने तक बस की स्थिति की निगरानी करने के लिए आवश्यक तकनीकी प्रणाली विकसित की जाए. उन्होंने बसों में कैमरे, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और अन्य आधुनिक सुरक्षा उपकरणों को सक्रिय रखने तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा. मंत्री ने निर्देश दिए कि महिला सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्था के क्षेत्र में तकनीक के माध्यम से उसकी प्रभावी निगरानी भी की जाए.

बस संचालक सार्वजनिक परिवहन की महत्वपूर्ण कड़ी-मंत्री कश्यप ने कहा कि बस संचालक प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं.

प्रदेश में मिले स्वाइन फ्लू के 46 नए मरीज, रायपुर में सबसे ज्यादा केस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आज की जारी रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में स्वाइन फ्लू के 46 नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर में सबसे अधिक 19 मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जनवरी 2026 से अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल 298 मरीज सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर में आज 19 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जिले में जनवरी से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 127 मामले दर्ज हो चुके हैं, जो प्रदेश में सबसे अधिक हैं। आज बिलासपुर में 3, बलौदाबाजार में 2, बस्तर में 2, दुर्ग में 4, जांजगीर-चांपा में 1, कोंडागांव में 1, कोरबा में 3, महासमुंद में 2, मुंगेली में 1, रायपुर में 19, राजनांदगांव में 2 और सरगुजा में 1 नया मरीज मिला है। इसके अलावा अन्य राज्यों से 5 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं।

113 मरीज एक्टिव

प्रदेश में वर्तमान में स्वाइन फ्लू के 113 एक्टिव मरीज हैं। इनमें 32 मरीजों का होम आइसोलेशन में इलाज जारी है, जबकि 81 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं।

जनवरी से अब तक 298 मरीज

1 जनवरी 2026 से 8 सितंबर 2026 तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल 298 पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अब तक स्वाइन फ्लू से किसी भी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है।

अवैध एवं जहरीली शराब पर नियंत्रण हेतु आबकारी विभाग का प्रदेशव्यापी सघन जांच अभियान प्रारंभ

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, चेकपोस्ट और संदिग्ध ठिकानों पर 24 घंटे सघन गश्त व जांच के कड़े निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के सागर जिले में हाल ही में जहरीली शराब के सेवन से हुई दुखद मौतों एवं गंभीर घटनाओं को संज्ञान में लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन के आबकारी विभाग ने राज्यभर में अवैध मदिरा के विनिर्माण, तस्करी, भंडारण एवं विक्रय पर पूर्ण अंकुश लगाने हेतु व्यापक स्तर पर विशेष सघन जांच अभियान शुरू किया है। शासन की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य में किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आबकारी आयुक्त श्री पदुम सिंह एल्मा द्वारा समस्त मैदानी अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। 09 सितंबर 2026 को सचिव वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (VC) समीक्षा बैठक के उपरांत विभाग द्वारा यह आदेश प्रसारित किया गया।

अभियान के अंतर्गत प्रमुख दिशा-निर्देश एवं कार्ययोजना:सार्वजनिक

स्थलों एवं चेकपोस्टों पर सख्त नाकाबंदी: प्रदेश के समस्त रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, हवाई अड्डों तथा अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों पर वाहनों की 24 घंटे सघन जांच की जा रही है, ताकि बाहरी राज्यों से आने वाली अवैध शराब की तस्करी को पूरी तरह रोका जा सके।

विशेष जांच दल का गठन: प्रत्येक जिले में उड़नदस्ते के अतिरिक्त विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो अवैध व जहरीली शराब के कारोबार पर पैनी नजर रखेंगी।

मदिरा दुकानों एवं ढाबों की सघन जांच: देशी व विदेशी मदिरा दुकानों में नॉन-ड्यूटी पेड (NDP), लीकेज व मिलावटी मदिरा की औचक जांच की जा रही है। साथ ही होटल, ढाबों एवं अवैध अहातों पर दबिश देकर जब्ती की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

अवैध आसवन एवं स्पिरिट सिंडिकेट पर प्रहार: वनांचलों, नदी नालों व संदिग्ध क्षेत्रों में अवैध कच्ची शराब बनाने वालों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया जा रहा है। अवैध स्पिरिट के कारोबारियों और उनके आपूर्ति स्रोतों (Source of Origin) का पता लगाकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई: आबकारी विभाग के टोल-फ्री नंबर, 'मनपसंद ऐप', समाचार पत्रों एवं आम नागरिकों से प्राप्त होने वाली हर सूचना पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

नोडल अधिकारी नियुक्त, प्रतिदिन होगी मॉनिटरिंग-समस्त जिलों एवं संभागों में चल रही कार्रवाइयों की दैनिक निगरानी के लिए प्रभारी अधिकारी, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी प्रतिदिन दोपहर 12:00 बजे तक पूरे प्रदेश की समेकित रिपोर्ट आबकारी आयुक्त को प्रस्तुत करेंगे।आबकारी आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि कर्तव्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण अथवा विक्रय की सूचना तत्काल विभागीय टोल-फ्री नंबर 14405 या मनपसंद ऐप पर साझा करें एवं मदिरा के उपभोग हेतु केवल छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निर्धारित मदिरा दुकानों से ही मदिरा क्रय किए जाने की अपील की है।

नो-एंट्री में घुसे 7 भारी वाहन पकड़ाए

रायपुर में नो-पार्किंग पर भी एक्शन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर शहर में नो-एंट्री के नियम तोड़कर भारी वाहन दौड़ाने और सड़क किनारे नो-पार्किंग में वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई की है। तेलीबांधा और पचपेढ़ी नाका इलाके में नो-एंट्री के प्रतिबंधित समय में घुसे 7 भारी मालवाहक वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। वहीं सड़क और फुटपाथ पर खड़े वाहनों को क्रेन और टोइंग वाहनों की मदद से हटाया गया। शहर में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश के लिए समय और मार्ग निर्धारित हैं। इसके बावजूद कुछ वाहन चालक प्रतिबंधित समय में मुख्य मार्गों और अंदरूनी इलाकों में वाहन लेकर पहुंच रहे थे। इससे ट्रैफिक का दबाव बढ़ने के साथ जाम और सड़क सुरक्षा की समस्या भी पैदा हो रही थी। तेलीबांधा और पचपेढ़ी नाका क्षेत्र में जांच के दौरान ऐसे 7 भारी वाहनों को पकड़ा गया। इनके चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। साथ ही उन्हें दोबारा नियम नहीं तोड़ने की समझाइश दी गई।

नो-पार्किंग में खड़े वाहन क्रेन से हटाए=-पुलिस ने प्रमुख बाजारों, व्यस्त चौराहों और मुख्य सड़कों पर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ भी अभियान चलाया। सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों को क्रेन और टोइंग वाहनों से हटाकर यातायात थाना परिसर भेजा गया। वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी लगाया गया।

रात 12 से सुबह 5 बजे तक ही भारी वाहनों को एंट्री-यातायात पुलिस के मुताबिक, रिंग रोड के अंदरूनी हिस्सों और प्रमुख बाजार क्षेत्रों में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश का समय निर्धारित किया गया है। भारी वाहनों को रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक ही शहर के अंदर प्रवेश की अनुमति है। इसके अलावा किसी भी समय इन वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है।

\CCTV और फील्ड टीम से नजर-पुलिस अब नो-एंट्री और नो-पार्किंग नियम तोड़ने वालों पर CCTV कैमरों और फील्ड टीमों के जरिए निगरानी रख रही है। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील मार्गों पर जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने भारी वाहन चालकों, ट्रांसपोर्टरों और वाहन मालिकों से निर्धारित समय का पालन करने की अपील की है। साथ ही आम लोगों और कारोबारियों से वाहनों को निर्धारित पार्किंग में ही खड़ा करने को कहा है।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने प्रभार जिले की वर्चुअल बैठक लेकर 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की

जनभागीदारी के साथ अभियान को सफल एवं प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व एवं समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जनभागीदारी का स्वरूप देने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जाएगा। अभियान के माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वित्त मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरगुजा, जशपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों की प्रशासनिक बैठक ली। उन्होंने अभियान की तैयारियों की विस्तार समीक्षा करते हुए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, कार्ययोजना, विभागीय दायित्वों एवं प्रस्तावित गतिविधियों की जानकारी ली। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की यात्रा केवल वर्षों का हिसाब नहीं है, बल्कि यह 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और भारत की क्षमता में अटूट विश्वास की कहानी है। 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से इस यात्रा के प्रति जन-आभार व्यक्त करने के साथ विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से साकार करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को अभियान के सभी कार्यक्रमों का बेहतर विभागीय समन्वय के साथ समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान की प्रत्येक गतिविधि ग्राम, वार्ड, विकासखंड एवं जिला स्तर पर अधिकतम जनभागीदारी के साथ आयोजित करना सुनिश्चित करें। जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित समाज के सभी वर्गों को अभियान से जोड़ा जाए। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा। इसके तहत प्रत्येक परिवार को दीप प्रज्वलन से जोड़ने की पहल की जाएगी। प्रत्येक दीप को 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 के संकल्प का प्रतीक बनाया जाएगा। मैदानी टीमें घर-घर पहुंचकर नागरिकों को इस पहल में सहभागी बनने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक शासकीय एवं निजी विद्यालयों में '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' पहल के तहत विकसित भारत की संकल्पना और 25 वर्षों की सेवा यात्रा पर आधारित ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बच्चों की कल्पनाओं को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

'नमो सेवा गाथा' के अंतर्गत 17 सितंबर से नुक्कड़ नाट्य का आयोजन किया जाएगा। 2 अक्टूबर को देश के 100 प्रमुख स्थलों पर विशेष मंचन प्रस्तावित है। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से 25 वर्षों के सेवा कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और उनसे आए सकारात्मक बदलाव की कहानियों को सरल, भावनात्मक एवं प्रभावी तरीके से आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com